ikf{kd if=dk

संपादक

प्रभात झा, सांसद

कार्यकारी संपादक

डॉ. शिव शक्ति बक्सी

सहायक संपादक

संजीव कुमार सिन्हा

संपादक मंडल सदस्य

सत्यपाल

कला संपादक

धर्मेन्द्र
विकास सैनी

सदस्यता शुल्क

वार्षिक : **100/-**
त्रि वार्षिक : **250/-**

संपर्क

InL;rk : +91(11) 23005798
Qku (dk-) : +91(11) 23381428
QDI : +91(11) 23387887

पता : डॉ. मुकर्जी स्मृति न्यास, पी.पी–66, सुब्रमण्यम भारती मार्ग, नई दिल्ली–110003

ई–मेल
kamalsandesh@yahoo.co.in

प्रकाशक एवं मुद्रक : डॉ. नन्दकिशोर गर्ग द्वारा डॉ. मुकर्जी स्मृति न्यास, के लिए एक्सेलप्रिंट, सी–36, एफ.एफ. कॉम्पलेक्स, झण्डेवालान, नई दिल्ली–55 से मुद्रित करा के, डॉ. मुकर्जी स्मृति न्यास, पी.पी–66, सुब्रमण्यम भारती मार्ग, नई दिल्ली–110003 से प्रकाशित किया गया। सम्पादक – प्रभात झा

विषय–सूची

आवरण कथा :

प्रधानमंत्री की चीन, मंगोलिया और दक्षिण कोरिया की सफल यात्रा......... 7

संगठनात्मक गतिविधियां : सदस्यता अभियान

भाजपा उ.प्र. कार्यसमिति बैठक........ 10
सुशासन संकल्प सम्मेलन (भोपाल), म.प्र........ 12
भाजपा दिल्ली प्रदेश कार्यसमिति बैठक........ 14
भाजपा राष्ट्रीय मीडिया कार्यशाला........ 28

लेख

यूपीए की सांठ-गांठ वाले पूंजीवाद का पतन – सुधार का एक वर्ष
– **अरुण जेटली**........ 19

सरकार की उपलब्धियां : आर्थिक सर्वेक्षण

बजट 2015–16 कुल 24 विधेयक किए गए पारित........ 21
प्रधानमंत्री ने शुभारंभ की बीमा और पेंशन योजनाएं........ 23
अब तीव्र विकास का दौर........ 11
चौदहवां वित्त आयोग........ 13

वैचारिकी : पं. दीनदयाल उपाध्याय

पक्षधरता बनाम गुटनिरपेक्षता........ 25

श्रद्धांजलि :

वीर सावरकर........ 27

कमल संदेश के सभी सुधी पाठकों को

वट पूर्णिमा व्रत

की हार्दिक शुभकामनाएं!

असफलता से सबक

नोबेल पुरस्कार विजेता कथाकार अर्नेस्ट हेमिंग्वे बचपन में बड़े हंसोड़ और नटखट थे। पढ़ने-लिखने में भी तेज थे और ईश्वर ने उन्हें गजब की कल्पना शक्ति भी दी थी। एक बार उनके शिक्षक ने बच्चों से कहानी लिखने को कहा। कहानी लिखने के लिए एक महीने का समय दिया। हेमिंग्वे ने सोचा, कहानी लिखने के लिए एक महीने की क्या जरूरत है। यह तो एकाध घंटे में ही लिखी जा सकती है।

दिन गुजरते जा रहे थे, पर वह खेलकूद में ही मस्त रहे। उनकी बहन ने कई बार कहानी लिखने की याद दिलाई, लेकिन हर बार वह यही कहकर टालते रहे कि कहानी तो एक घंटे में लिख देंगे। कहानी जमा करने के दिन से ठीक पहले की रात को भी हेमिंग्वे की बहन ने उन्हें कहानी की याद दिलाई, पर उन्हें नींद आ रही थी। कहानी सुबह लिख लूंगा, सोचकर वह सो गए। सुबह उठकर उन्होंने हड़बड़ाहट में लिखना शुरू किया। कहानी तो पूरी कर ली, मगर वह उससे संतुष्ट नहीं हुए।

उन्हें लग रहा था कि कहानी में भाषा और कथा सूत्रों में सुधार की जरूरत है। समय की कमी के कारण वह चाहकर भी सुधार नहीं कर सकते थे। इसलिए उन्होंने बिना सुधारे ही अधूरे मन से कहानी शिक्षक को सौंप दी। बहरहाल, पुरस्कार किसी और छात्र को मिला। हेमिंग्वे बहुत निराश होकर घर लौटे तो उनकी बहन ने कहा, 'हर काम अंतिम क्षणों में निपटाने की आदत के कारण ही तुम्हें पुरस्कार नहीं मिला। इस असफलता से सबक लो और हर काम नियम से समय पर करने की आदत डालो।'

हेमिंग्वे ने बहन की सलाह को अपना आदर्श बना लिया। आज पूरी दुनिया उन्हें एक श्रेष्ठ रचनाकार के रूप में याद करती है।

संकलन : मुकेश शर्मा

(नवभारत टाइम्स से साभार)

पाथेय

वैदिक धर्म में परिवर्तन तो सदैव ही होते आए हैं। यह धर्म तो गतिशील है, गंगा के समान चैतन्ययुक्त है, जीवित है; जोहड़ जल के समान स्थिर, जड़ एवं मृत नहीं। धर्म में सदैव ही नवीन विचारों का आगमन होता रहा है तथा पुरानों में परिवर्तन एवं विकास होता रहा है, किन्तु प्रत्येक नवीन परिवर्तन प्राचीन से संबंधित रहा। प्रत्येक नवीन आंदोलनकारी ने अपने पूर्वजों के प्रति श्रद्धा का भाव रखा। प्रत्येक नवीन सुधारक अपनी प्राचीन परंपरा को मानने वाले रहे, अपने पूर्वजों तथा उनकी कृतियों का सम्मान करते रहे तथा समय के साथ नवीन विचारों के प्रवर्तक भी बने। मूल से संबंध होने के कारण उनके नवीन विचारों से राष्ट्रजीवन को किसी भी प्रकार का धक्का नहीं लगा, हां उसमें विकास अवश्य होता रहा।

- पं. दीनदयाल उपाध्याय

('राष्ट्रचिंतन' पुस्तक से साभार)

साल एक, शुरुआत अनेक!

भाजपानीत राजग सरकार 26 मई 2015 को अपना एक वर्ष पूरा कर रही है। इस एक वर्ष ने एक नये उभरते भारत की नींव रखी है- एक भारत जो अपने भविष्य के प्रति आश्वस्त है, जो बड़े कदम उठा सकता है और विश्व के साथ कंधा से कंधा मिलाकर चल सकता है। भारत वैश्विक परिदृश्य में अपनी मजबूत उपस्थिति दर्ज करा रहा है। एक तरफ जहां सरकार पर जन-विश्वास पुनर्स्थापित हुआ है वहीं दूसरी ओर पूरा विश्वास भी भारत के भविष्य को भरोसे के साथ देख रहा है। सबसे बड़ी उपलब्धि तो यह है कि अब हम आत्मविश्वास से ओत-प्रोत हैं और पूरे विश्व का भारत के प्रति नजरिया सकारात्मक दिशा में परिवर्तित हुआ है। और इसलिए जब आईएमएफ की प्रबंध निदेशक भारत को निराशाजनक वैश्विक वातावरण में एक चमकता केन्द्र कहती हैं तब इस बात में कोई अतिश्योक्ति नहीं लगती कि भारत अब एक नई आशा एवं आकांक्षा का प्रतिनिधित्व कर रहा है। पूरा राष्ट्र प्रेरित महसूस कर रहा है, यह नई ऊंचाइयों को छूने के लिए तत्पर है। अब जबकि भारत अंतर्राष्ट्रीय मंचों पर अपना उचित स्थान पाने को तत्पर है, एक विकसित, समृद्ध एवं आत्मनिर्भर भारत की ओर बढ़ने की यात्रा शुरू हो चुकी है।

16 मई 2014 को भारत की जनता ने अपना ऐतिहासिक फैसला सुनाया था। कांग्रेसनीत यूपीए सरकार को चुनावी नतीजों में जनता ने ना केवल धूल चटाया, बल्कि कांग्रेस मात्र 44 सीटें जीत पाई। भाजपानीत राजग को न केवल भारी बहुमत मिला, बल्कि भाजपा अपने दम पर बहुमत प्राप्त करने में सफल रही। सारे चुनावी पंडितों के आंकड़े धरे रह गए, एक ऐसा जनादेश जिसके बाद शायद ही किसी ने सोचा होगा, नरेन्द्र मोदी एवं भाजपा के पक्ष में गया। लगभग तीन दशकों के बाद किसी दल को अकेले बहुमत मिला था। 282 सीटें प्राप्त कर भाजपा ने एक नया इतिहास रचा। भाजपा नीत राजग ने 336 सीटें जीती। पूरे देश ने एक स्वर में अपना फैसला सुनाया। हर ओर एक ही आवाज थी- भाजपा और नरेन्द्र मोदी! 26 मई 2014 को नरेन्द्र मोदी ने प्रधानमंत्री पद की शपथ ली। भारत के निमंत्रण पर सार्क देशों के नेताओं ने इस अवसर पर अपनी उपस्थिति दर्ज की। भारत के अंदर एवं बाहर इस अवसर को लोगों ने एक उत्सव की तरह मनाया। आशा एवं उत्साह से भरे लोगों के मुंह पर एक ही बात थी- अच्छे दिन आ गये!

एक वर्ष बीत चला- हर मोर्चे पर कड़ी मेहनत एवं अथक प्रयासों वाला एक वर्ष। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सच्चे अर्थों में प्रधान सेवक की भांति एक नई कार्य-संस्कृति विकसित करने में दिन-रात लगे रहे। बड़ी संख्या में अप्रासंगिक हो चुके पुराने कानून निरस्त हुए तथा औपनिवेशिक सत्ता के स्व-प्रमाणन जैसी पेंचदार घिसे-पिटे नियमों से जनता को मुक्ति मिली। प्रधानमंत्री जनधन योजना, स्वच्छ भारत अभियान, मेक इन इंडिया, स्किल इंडिया, बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ, सुकन्या समृद्धि योजना, डिजिटल इंडिया, स्मार्ट सिटीज, आदर्श ग्राम योजना, मुद्रा बैंक- और इस तरह की अनेक योजनाओं से भारत की तस्वीर बदल रही है। सरकार की यह सबसे बड़ी उपलब्धि है कि अनूठे बीमा एवं पेंशन योजनाओं से भारत की लगभग पूरी जनसंख्या को सामाजिक सुरक्षा दिलाई जा रही है, न केवल उसमें प्राण फूंका गया है बल्कि यह अब चीन को पीछे छोड़ते विश्व की सबसे तेज गति से विकसित होने वाली अर्थव्यवस्था बन चुकी है। एक तरफ जहां विश्व आर्थिक मंदी झेल रहा है, विश्व की अधिकांश एजेंसियों ने भारत के प्रति सकारात्मक रूख अपनाया है। महंगाई नियंत्रण में है और काले धन पर कड़ा कानून पारित किया जा चुका है। प्रधानमंत्री के विदेश दौरों से विश्व भर में भारत की साख बढ़ी है।

अमेरिका से आस्ट्रेलिया, चीन से दक्षिणी कोरिया तथा जापान, भूटान, नेपाल से फीजी, मॉरीशस, श्रीलंका, कनाडा से फ्रांस और जर्मनी- हर जगह प्रधानमंत्री लोगों से संवाद स्थापित कर नेताओं से व्यक्तिगत संबंध दृढ़ करने में सफल रहे। अपार संभावनाओं वाले देश के रूप में भारत की पहचान बन चुकी है। इन दौरों से न केवल बड़ी संख्या में समझौते एवं करारों पर हस्ताक्षर हुए बल्कि भारत का परमाणु एकाकीपन समाप्त हुआ और करोड़ों डॉलर के निवेश से भारतीय अर्थव्यवस्था अब बड़ी छलांग लगाने को तैयार है। भारत अब 'स्पीड, स्केल और स्कील' के आधार पर आगे बढ़ चुका है।

एक प्राचीन राष्ट्र के रूप में भारत विभिन्न परंपराओं एवं संस्कृति की निरंतरता से युक्त एक जीवंत सभ्यता का प्रतिनिधित्व करता है। भारतीय जनता पार्टी का यह विश्वास है कि किसी भी राष्ट्र के प्राचीन सभ्यतागत एवं सांस्कृतिक ज्ञान के आधार पर ही उज्ज्वल भविष्य की नींव रखी जा सकती है। 15 अगस्त 2014 को लाल किले के प्राचीर से राष्ट्र को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री ने स्वामी विवेकानंद को उद्धृत करते हुए 'भारत की नियति' पर अपना विश्वास दोहराया था। भारत की नियति एक विश्व गुरू की भूमिका में शांतिपूर्ण, गौरवशाली एवं समृद्ध विश्व के लिए मार्ग प्रशस्त करने का है। यह तब संभव है जब भारत अपने पैरों पर खड़ा हो सके, जब वह वंचितों एवं गरीबों के आंसू पोंछ सके और जब वह गरीबी के अभिशाप को खत्मकर एवं मजबूत एवं समृद्ध राष्ट्र के निर्माण को कृत-संकल्प हो।

भाजपा-नीत राजग सरकार ने अपने पहले वर्ष में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में बड़े कदम उठाये हैं। पहले ही वर्ष में उठाये गये अनेक कदमों से आने वाले भारत की तस्वीर की झलक दिखाई पड़ रही है। साल एक, शुरुआत अनेक- निश्चित रूप से ये शब्द भारत निर्माण की उस आकांक्षा को प्रतिबिंबित करते हैं जिससे भारत अपने परम लक्ष्य की ओर मस्तक ऊंचा कर तेज गति से बढ़ चला है। ■

केरल

भ्रष्टाचार में आकंठ डूबी है केरल सरकार : अमित शाह

भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अमित शाह ने केरल में सत्तारुढ़ कांग्रेस नीत संयुक्त लोकतांत्रिक मोर्चा सरकार पर आरोप लगाते हुए कहा है कि वह भ्रष्टाचार में आकंठ डूबी हुयी है। बार रिश्वतखोरी मामले में राज्य के वित्त मंत्री के एम मणि के इस्तीफे की मांग करते हुए 19 मई को पार्टी कार्यकर्ताओं द्वारा तिरुवनंतपुरम स्थित राज्य सचिवालय के घेराव के मौके पर श्री शाह ने कहा कि राज्य की मौजूदा सरकार में हर जगह भ्रष्टाचार फैला हुआ है।

उन्होंने राज्य के लोगों से केरल में भ्रष्टाचार मुक्त, कांग्रेस मुक्त और सांप्रदायिक ताकतों से मुक्त सरकार बनाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि केंद्र में जब कांग्रेस-नीत यूपीए सरकार थी तब भ्रष्टाचार के कारण सरकारी खजाने को 12 लाख करोड़ रुपए का नुकसान हुआ था। उन्होंने आरोप लगाया कि राज्य सरकार गरीबों और निचले तबके के लोगों के हितों का ध्यान नहीं रख रही है। श्री शाह ने कहा कि इसके विपरीत केंद्र की भाजपा सरकार जनकल्याण से जुड़ी कई योजनाएं लेकर आयी है। इसमें देश से बेरोजगारी खत्म करने पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार देश में भ्रष्टाचार मुक्त व्यवस्था बनाने में सफल रही है। ऐसे में कोई भी केंद्र के खिलाफ भ्रष्टाचार का आरोप नहीं लगा सकता। भाजपा अध्यक्ष ने पार्टी कार्यकर्ताओं से स्थानीय निकाय चुनाव और विधानसभा चुनाव के लिए अभी से तैयारी शुरु कर देने का अनुरोध करते हुए कहा कि उन्हें पूरा विश्वास है कि भाजपा इन चुनावों में शानदार सफलता हासिल करेगी। इस मौके पर श्री शाह के साथ प्रदेश पार्टी अध्यक्ष श्री वी मुरलीधरन सहित कई पदाधिकारी भी मौजूद थे। ■

प्रधानमंत्री की चीन, मंगोलिया और दक्षिण कोरिया की सफल यात्रा

राम नयन सिंह की रिपोर्ट

पिछले दिनों प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने चीन, मंगोलिया और दक्षिण कोरिया की सफल यात्रा की। 6 दिवसीय यह यात्रा 14 मई को चीन से प्रारम्भ होकर 19 मई को दक्षिण कोरिया में समाप्त हुई। प्रधानमंत्री श्री मोदी चीन में तीन दिन, मंगोलिया में एक दिन और दक्षिण कोरिया में दो दिन प्रवास पर रहे। श्री मोदी ने चीन के साथ 26 बड़े समझौते किए। ये समझौते मुख्य रूप से बिजली, अक्षय ऊर्जा, इन्फ्रास्ट्रक्चर, दूरसंचार, मनोरंजन क्षेत्र में हुए। भारत और मंगोलिया के बीच कुल 14 समझौते हुए। इस समझौते में भारत ने मंगोलिया को 100 करोड़ डॉलर (करीब 6300 करोड़ रुपए) की मदद की घोषणा की। प्रधानमंत्री ने दक्षिण कोरिया के साथ ऊर्जा, सुरक्षा, रोड, ट्रांसपोर्ट सहित सात अहम समझौते किए। इसके तहत दक्षिण कोरिया भारत के इंफ्रास्ट्रक्चर, स्मार्ट सिटी प्रोजेक्ट, रेलवे, पावर जेनरेशन और अन्य क्षेत्रों के लिए 10 अरब डॉलर उपलब्ध कराएगा।

भारत और चीन के बीच हुए 24 समझौते

यात्रा के प्रथम चरण में 14 मई को तीन दिन के प्रवास पर प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी चीन पहुंचे। यहां पर भारत और चीन ने 24 समझौतों पर हस्ताक्षर किए। ये समझौते प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी और चीन के प्रधानमंत्री श्री ली कीचियांग के बीच बीजिंग में वार्ता के दौरान हुए। चीन भारतीय शहर चेन्नई में, जबकि भारत चीन के शहर शेंग्दू में एक-एक वाणिज्य दूतावास खोलने पर सहमत हुए हैं।

गौरतलब है कि चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग की पिछले साल हुई भारत यात्रा के दौरान 16 समझौतों पर हस्ताक्षर किए गए थे। रेलवे के विकास के लिए दोनों देशों के बीच एक समझौता हुआ है। भारत और चीन ने साथ ही चेन्नई और चोंगकिंग तथा हैदराबाद और किंगदाओ को सिस्टर सिटी और कर्नाटक तथा शिचुआन को सिस्टर स्टेट बनाने पर भी सहमति पत्र पर हस्ताक्षर किए। दूरदर्शन और सीसीटीवी के बीच प्रसारण को लेकर भी समझौता हुआ है। उल्लेखनीय है कि इन समझौतों के बाद भारत और चीन के बीच व्यापारिक संतुलन सुधारने में काफी मदद मिलेगी।

प्रधानमंत्री श्री मोदी ने संयुक्त बयान में कहा कि मैंने चीन को सुझाव दिया है कि हमारे रिश्तों के प्रति वह सामरिक और दीर्घकालिक स्तर पर विचार करे। मैंने पाया कि चीनी नेतृत्व का रुख इसे लेकर अनुकूल है। उन्होंने कहा कि सीमा के मुद्दे पर हमने उचित, व्यवहारिक और आपसी सहमति से स्वीकार्य समाधान तलाशने पर सहमति व्यक्त की। हम दोनों ने सीमा क्षेत्रों में शांति एवं स्थिरता बनाये रखने के लिए हर तरह के प्रयास करने के प्रति अपनी मजबूत प्रतिबद्धता व्यक्त की। साझा बयान के दौरान चीन के प्रधानमंत्री श्री ली कीचियांग ने कहा कि दोनों देशों को राजनीतिक विश्वास मजबूत करना होगा। श्री किचिंयाग ने कहा कि चीन और भारत एशिया के दो इंजन हैं।

चीन के साथ अहम समझौते

- भारतीय और चीनी रेलवे के बीच रेलवे के विकास को लेकर समझौता
- शैक्षिक आदान-प्रदान को लेकर समझौता
- खनन क्षेत्र में समझौता
- दूरदर्शन और सीसीटीवी के बीच प्रसारण के क्षेत्र में समझौता
- कौशल विकास को लेकर समझौता
- पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए समझौता
- भूविज्ञान और अंतरिक्ष में सहयोग को लेकर समझौता
- डेवलपमेंट रिसर्च सेंटर और नीति आयोग पर समझौता
- चीन चेन्नई और भारत शेन्गडू में वाणिज्य दूतावस खोलेगा
- योग कॉलेज की स्थापना के लिए समझौता
- औरंगाबाद और दुनहुआंग के बीच सिस्टर सिटीज संबंधों को लेकर समझौता
- कर्नाटक और शिचुआन के बीच सिस्टर स्टेट संबंधों के लिए समझौता
- भारत-चीन थिंक टैंक स्थापना के लिए समझौता
- भूकंप विज्ञान में विकास के लिए समझौता

22 अरब डॉलर के व्यापारिक समझौते

भारत और चीन के बीच 22 अरब डॉलर के व्यापारिक समझौते हुए। ये समझौते अक्षय ऊर्जा, बंदरगाहों के विकास, वित्त और औद्योगिक पार्कों समेत कई क्षेत्रों में किए गए हैं।

प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी अपनी तीन दिवसीय चीन यात्रा के अंतिम दिन चीन की व्यावसायिक राजधानी कहे जाने वाले शंघाई शहर में पहुंचे। श्री मोदी ने शंघाई में भारत-चीन व्यापार फोरम को संबोधित करते हुए कहा कि दोनों देश साथ मिलकर अपने लोगों के जीवन में खुशहाली ला सकते हैं। इस फोरम में दोनों देशों के 200 से अधिक उद्योगपतियों ने हिस्सा लिया। श्री मोदी ने कहा कि हम भारत में आसानी से व्यापार करने के लिए माहौल को निरंतर बेहतर कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि भारत में चीन के उद्योग जगत के लिए ऐतिहासिक मौका है। श्री मोदी ने कहा कि चीन विश्व की फैक्ट्री है और भारत बैक आफिस। दोनों देश मिलकर अपने लोगों के लिए तरक्की और समृद्धि ला सकते हैं।

भारत-मंगोलिया के बीच 14 समझौतेः

मोदी का 6300 करोड़ की मदद की घोषणा

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 17 मई को हुए समझौतों के तहत मंगोलिया को 1 अरब डॉलर (करीब 6300 करोड़ रुपए) की मदद की घोषणा की। दोनों देशों ने अपने संबंधों को व्यापक से सामरिक गठजोड़ स्तर का बनाने का भी निर्णय किया। साथ ही प्रधानमंत्री श्री मोदी ने अपने समकक्ष श्री चिमेद सायखानबिलेग के साथ व्यापक विषयों पर विस्तृत चर्चा की।

मंगोलिया में ट्रेन चलाने, साइबर सुरक्षा केन्द्र बनाने में मदद की भी घोषणा की गई। इसके अलावा, सीमा और

साइबर सुरक्षा के क्षेत्र में मदद देने का भरोसा दिलाया। इसके तहत, दोनों देश संयुक्त युद्धाभ्यास भी करेंगे। पीएम मोदी ने कहा कि इन समझौतों से दोनों देशों के बीच सीमा और साइबर सुरक्षा के मामले में सहयोग बढ़ेगा। दोनों देशों के बीच कुल 14 समझौते हुए।

प्रधानमंत्री मोदी ने सायखानबिलेग के साथ राजकीय महल में संयुक्त मीडिया संबोधन में कहा कि मुझे इस बात की घोषणा करते हुए प्रसन्नता हो रही है कि भारत, मंगोलिया को आर्थिक क्षमता और आधारभूत संरचना के विस्तार के लिए एक अरब डॉलर का ऋण प्रदान करेगा। मंगोलिया को भारत की 'एक्ट ईस्ट' नीति का अभिन्न हिस्सा बताते हुए उन्होंने कहा कि दोनों देशों की नियति एशिया प्रशांत के भविष्य के साथ काफी निकटता से जुड़ी हुई है। मंगोलिया के प्रधानमंत्री श्री सायखानबिलेग ने कहा कि भारत आध्यात्मिक पड़ोसी है और मंगोलिया का तीसरा पड़ोसी है।

भारत और मंगोलिया के बीच हुए समझौते

1. इंडिया-मंगोलिया स्ट्रेटिजिक पार्टनरशिप के लिए ज्वाइंट स्टेटमेंट
2. हवाई सेवाओं के क्षेत्र में करार
3. पशु स्वास्थ्य और डेयरी के क्षेत्र में सहयोग
4. सजायाफ्ता लोगों के आपसी ट्रांसफर के लिए संधि
5. दवा और होम्योपैथी के क्षेत्र में सहयोग
6. सीमा सुरक्षा, पुलिसिंग और सर्विलांस के क्षेत्र में सहयोग
7. 2015 से 2018 के बीच सांस्कृतिक सहयोग बढ़ाने का करार
8. मंगोलिया में साइबर सिक्युरिटी ट्रेनिंग सेंटर की स्थापना
9. भारतीय फॉरेन सर्विस इंस्टिट्यूट और मंगोलिया के डिप्लोमैटिक अकादमी के बीच करार
10. भारतीय और मंगोलियाई विदेश मंत्रालय के बीच सहयोग बढ़ाने पर करार
11. रिनुअल एनर्जी के क्षेत्र में सहयोग
12. दोनों देशों के नेशनल सिक्युरिटी काउंसिल के बीच सहयोग
13. मंगोलिया में इंडो-मंगोलिया फ्रेंडशिप सेकेंडरी स्कूल की स्थापना
14. भारत के टाटा मेमोरियल सेंटर और मंगोलिया के नेशनल कैंसर सेंटर के बीच करार

दक्षिण कोरिया के साथ 7 समझौतों पर हुए हस्ताक्षर

प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी इस विदेशी प्रवास के अंतिम चरण में 18 मई को दक्षिण कोरिया पहुंचे। प्रधानमंत्री मोदी ने सियोल में ऊर्जा, सुरक्षा, रोड, ट्रांसपोर्ट सहित सात अहम समझौते किए। दक्षिण कोरिया भारत के इंफ्रास्ट्रक्चर, स्मार्ट सिटी प्रोजेक्ट, रेलवे, पावर जेनरेशन और अन्य क्षेत्रों के लिए 10 अरब डॉलर उपलब्ध कराएगा। दोनों देश अपने द्विपक्षीय संबंधों को एक स्पेशल स्ट्रैटजिक पार्टनशिप में अपग्रेड करने पर सहमत हो गए हैं। इससे पहले सियोल पहुंचने पर प्रधानमंत्री श्री मोदी का औपचारिक स्वागत किया गया। उन्हें गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया। प्रधानमंत्री ने वहां भारतीय समुदाय को भी संबोधित किया।

कोरिया की राष्ट्रप्रति पार्क गुन हे ने भारत की मेक इन इंडिया इनीसिएटिव की सराहना की और परस्पर द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करने की दिशा में प्रतिबद्धता जताई। दोनों देशों के शीर्ष नेताओं ने यह स्वीकार किया कि निवेश और व्यापार के क्षेत्र में परस्पर रिश्ते मजबूत करने की व्यापक संभावनाएं हैं। दोनों देशों के नेताओं ने बीच व्यापक आर्थिक भागीदारी समझौता (सीईपीए) का भरपूर उपयोग करने करने के लिए परस्पर संवाद पर जोर दिया है। गौरतलब है कि दक्षिण कोरिया की यात्रा प्रधानमंत्री श्री मोदी की एक्ट ईस्ट पॉलिसी का एक महत्वपूर्ण अंग है। श्री मोदी के नेतृत्व में भारत एशिया प्रशांत क्षेत्र के साथ अपनी गतिविधियों को बढ़ाने के लिए प्रयासरत हैं। कोरिया पहला ओईसीडी देश है, जिसके साथ भारत ने सीईपीए पर हस्ताक्षर किए हैं।

शेष पृष्ठ 27 पर

राज्य में सत्ता परिवर्तन के संकल्प के साथ काम करना होगा : अमित शाह

गाजियाबाद में संपन्न हुई भारतीय जनता पार्टी की दो दिवसीय प्रदेश कार्यसमिति की बैठक में भाजपा नेताओं ने कांग्रेस, बसपा व सपा पर जमकर निशाना साधा। इसके अलावा कार्यसमिति की बैठक में मिशन 2017 को पूरा करने के लिये संगठन को और मजबूत बनाने पर जोर दिया। प्रदेश भाजपा ने केन्द्र की मोदी सरकार की उपलब्धियों का भी विस्तार से जिक्र किया।

मिशन 2017 को पूरा करने के लिये भाजपा प्रदेश कार्यसमिति की बैठक के उद्घाटन सत्र में उप्र भाजपा के प्रभारी श्री ओम माथुर ने संगठन शक्ति के चार सूत्रों लोक सम्पर्क, लोक संग्रह, लोक संस्कार और लोक नियोजन के बारे में विस्तारपूर्वक बताते हुए कहा कि उपरोक्त को ध्यान में रखते हुए न हम केवल अपने संगठनात्मक ढांचे को और अधिक मजबूत कर सकते हैं, बल्कि मिशन 2017 में जीत सुनिश्चित करने का भी काम कर सकते है।

इस दौरान श्री माथुर ने राज्य की सपा सरकार पर हमला करते हुए कहा कि प्रदेश की जनता सपा व बसपा के कुशासन से त्रस्त होकर कराह रही है। जिसके चलते उप्र में माहौल भी पार्टी के पक्ष में है।

उन्होंने प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में चल रही केन्द्र सरकार की उपलब्धियों को जन-जन तक पहुंचाने का काम करने का आह्वान भी किया था। उप्र में सचेत रहने पर बल देते उन्होंने यह भी कहा था कि जब हम पूरी तैयारी के साथ योजनाबद्ध तरीके से चुनाव मैदान में उतरेंगे, तो हमारी जीत पक्की होगी और हम उप्र की जनता को सपा, बसपा और कांग्रेस से मुक्ति दिलाने में सफल होंगे।

उन्होंने कार्यकर्ताओं से आह्वान करते हुये कहा था कि वे पूरी इच्छाशक्ति

और संकल्पबद्धता के साथ मिशन 2017 में जीत का लक्ष्य लेकर अपनी तैयारियां अभी से शुरू कर दें।

वहीं बैठक में भाजपा के राष्ट्रीय महामंत्री (संगठन) श्री रामलाल ने कहा कार्यकर्ताओं का मनोबल बढ़ाते हुये कहा था कि उत्तर प्रदेश के कार्यकर्ता बहुत क्षमतावान हैं। यदि पूरे संकल्प और योजना के साथ हम मिशन 2017 की तैयारियों में लग जाएं, तो कोई ताकत हमें राज्य की सत्ता में आने से नहीं रोक सकती।

इतना ही नहीं उन्होंने कार्यकर्ताओं से कहा कि वे अपने संगठनात्मक दायित्वों को पूर्ण करते हुए सपा सरकार के खिलाफ जनहित के मुद्दे पर योजनाबद्ध ढंग से आंदोलन करें, जिससे उप्र की सपा सरकार के कुशासन से जनता को मुक्ति मिले और मिशन 2017 को पूरा किया जा सके।

भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अमित शाह ने अखिलेश सरकार पर किसान विरोधी होने का आरोप लगाते हुए कहा कि किसानों को राहत प्रदान करने के लिये केन्द्र की तरफ से भेजे गये सैकड़ों करोड़ रुपये प्रदेश सरकार खजाने में दबाये बैठी है और राज्य का किसान आत्महत्या करने को मजबूर है। उन्होंने किसानो की समस्याओं को लेकर सपा सरकार द्वारा बरती जा रही उदासीनता पर हैरानी जताते हुए मुख्यमंत्री श्री अखिलेश यादव से कहा कि किसानों के मुद्दे पर राजनीति बंद करें। श्री शाह ने मोदी

सरकार द्वारा किसानों के 33 प्रतिशत नुकसान को आधार मानकर मुआवजा दिये जाने के फैसले का जिक्र करते हुए वे कहा कि अखिलेश सरकार 33 प्रतिशत के आधार पर सर्वे क्यों नहीं करा रही। साथ ही मुख्यमंत्री अखिलेश यादव को यह भी ताकीद दी कि वे यह सुनिश्चित करें कि केन्द्र की मोदी सरकार द्वारा किसानों की सहायता के लिए जो हजारों करोड़ रुपये राज्य सरकार को दिये गये वह मंत्रियों के भ्रष्टाचार में न डूब जाये। इसकी वे चिन्ता करें। श्री शाह ने पार्टी की प्रदेश कार्यसमिति की बैठक के समापन के अवसर पर कहा कि उत्तर प्रदेश में पार्टी कार्यकर्ताओं के अथक परिश्रम से हमने एक करोड़ छियासी लाख लोगों को पार्टी का सदस्य बनाने का काम किया और इसके लिए वे बधाई के पात्र है। श्री शाह ने कहा कि जिस तरह प्रदेश में एक करोड़ छियासी लाख सदस्य बने है उससे साबित होता है कि अब राज्य की सत्ता में आने से हमें कोई नहीं रोक सकता ।

श्री शाह ने कहा कि 1950 में 10 सदस्यों से शुरू हुई पार्टी एक लम्बे संघर्ष के बाद बड़ी यात्रा तय करते हुए दस करोड़ से भी अधिक संख्या वाली पार्टी बन गई हैं। कार्यकर्ताओं के बलिदान और लम्बे संघर्ष का ही परिणाम रहा कि आज हम देश में आजादी के बाद पहली बार पूर्ण बहुमत के साथ नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में गैर कांग्रेसी सरकार को बनाने में सफल रहे। उन्होंने कहा आज देश में 13 राज्यों में हमारी सरकारें है। अब हम सब कार्यकर्ताओं का यह दायित्व बनता है कि हम अपने संगठन का और अधिक विस्तार कर पार्टी की पंचायत स्तर तक उसका जनाधार मजबूत करने का काम करें।

श्री शाह ने कहा कि पार्टी कार्यकर्ता पूरे उत्साह के साथ 2017 के विधानसभा चुनाव की तैयारियों में जुटे। इसके लिये हमें हमारे संगठन को मजबूती प्रदान करनी होगी। कार्यकर्ताओं को राज्य में सत्ता परिवर्तन के संकल्प के साथ काम करना होगा। उन्होंने कहा सिर्फ पार्टी की सदस्य संख्या बढ़ाकर हमारा काम नहीं चलने वाला, बल्कि जो नये सदस्य बने हैं उनसे सम्पर्क, संवाद कायम करके अपनी विचारधारा में जोड़कर उन्हें कार्यकर्ता बनाने का काम भी हमें करना होगा। उन्होंने कहा कि जिस दिन हम इन नये सदस्यों को कार्यकर्ता बनाकर उन्हें संगठन कार्य में लगा देंगे उस दिन कोई भी ताकत हमें राज्य की सत्ता में आने से नहीं रोक पायेगी।

संगठन तंत्र को मजबूत करते हुए जनहित में संघर्ष करें और उत्तर प्रदेश को उत्तर प्रदेश बनाने के संकल्प के साथ मिशन 2017 की तैयारियों में जुटकर राज्य की सत्ता से सपा बसपा और कांग्रेस की तिगड़ी को सत्ता से बेदखल करने की तैयारी करें।

श्री शाह ने केन्द्र की मोदी सरकार द्वारा किये जा रहे जनहित के कार्यो का जिक्र करते हुए कहा कि जिस भरोसे और विश्वास के साथ जनता ने हमें केन्द्र की सत्ता सौंपी उस पर हम खरे उतरे है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र भाई मोदी के नेतृत्व में केन्द्र सरकार ने सुशासन की अच्छी नींव रखी है। फिर भी कुछ विपक्षी दल भ्रम फैलाने में जुटे हैं। लेकिन उनके घबराने की जरूरत नहीं है। केन्द्र की यूपीए सरकार के कार्यकाल की याद दिलाते हुए श्री शाह ने कहा यूपीए के शासन में हर दूसरे माह कोई न कोई घोटाला उजागर होता था। लेकिन मोदी सरकार में कार्यकाल के एक वर्ष पूर्ण होने को है इतने कम समय में भ्रष्टाचार को जड़ से उखाड़ फेकने की दिशा में हमने महत्वपूर्ण काम किये है।

उन्होंने कहा मोदी सरकार ने भ्रष्टाचार, महंगाई, सुशासन सहित जनता से किये गये अपने हर वायदे को पूरा किया है। जनधन योजना, पेंशन सुरक्षा कवच, जीवन बीमा योजना सहित कई योजनाएं लागू करके जनहित में समाज के निचले तबके तक सरकारी योजनाओं का लाभ पहुंचे इसका प्रयास किया है।

उन्होंने उत्तर प्रदेश की दुर्दशा के लिए सपा-बसपा को जिम्मेदार ठहराते हुए कहा कि अखिलेश सरकार में तो कमीशन राज चल रहा हैं। नौकरियां बिक रही है, खदानों-ठेकों में भारी कमीशन चल रहा है। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश को भ्रष्टाचार से मुक्त कराकर विकास के पथ पर तब तक नहीं ले जाया जा सकता जब तक सपा-बसपा के हाथों से राज्य की जनता को मुक्त कराकर प्रदेश में भाजपा की सरकार नहीं बन जाती। श्री शाह ने पार्टी कार्यकर्ताओं का आह्वान किया कि वे जनता के बीच जाकर गर्व से कहे कि केन्द्र की मोदी सरकार विकास के हर पैमाने पर जन अपेक्षाओं पर खरा उतरते हुई आगे बढ रही है। विपक्ष भ्रम फैला रहा है तो डरने की जरूरत नहीं है। हमने अच्छा काम किया हैं। उन्होंने कार्यकर्ताओं से कहा कि वे संगठन तंत्र को मजबूत करते हुए जनहित में संघर्ष करें और उत्तर प्रदेश को उत्तर प्रदेश बनाने के संकल्प के साथ मिशन 2017 की तैयारियों में जुटकर राज्य की सत्ता से सपा बसपा और कांग्रेस की तिगड़ी को सत्ता से बेदखल करने की तैयारी करें।■

सुशासन संकल्प सम्मेलन एवं भाजपा महिला मोर्चा की राष्ट्रीय कार्यसमिति बैठक

कांग्रेस मुक्त भारत का मोदीजी का सपना कार्यकर्ता सफल बनायेंगे : अमित शाह

भारतीय जनता पार्टी के निर्वाचित जनप्रतिनिधियों के सुशासन संकल्प सम्मेलन का उद्घाटन करते हुए पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अमित शाह ने प्रदेश के कार्यकर्ताओं को बधाई देते हुए संगठन के कुशल नेतृत्व की भूरि-भूरि सराहना की और जिस समर्पित भावना से मध्यप्रदेश में तीन पीढ़ियों ने तपस्या की है उसे वंदनीय बताया। उन्होंने कहा कि विजय के माहौल में हम गंभीर जिम्मेदारी का अहसास लेकर अपने अपने स्थानों को लौटेंगे और आम आदमी के जीवन स्तर में बदलाव लाकर यह सिद्ध कर देंगे कि भारतीय जनता पार्टी अतीत जीवी नहीं है। उन्होंने कहा कि तीन पीढ़ियों ने हमें जो संगठन गढ़कर दिया है पूर्वजों ने दधीचि की तरह हड्डियां गलाई है और विजय के रूप में हम उनके संघर्ष के सुफल को भोग रहे है। हमें जनआकांक्षाएं पूरी करने की जिम्मेदारी का पूरी तरह अहसास होना चाहिए। उन्होंने कांग्रेस और विपक्ष के दुष्प्रचार का मुंहतोड़ जवाब देते हुए कहा कि केन्द्र में श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में सरकार 11 माह सफलतापूर्वक देश को हर क्षेत्र में आगे बढ़ाने में कामयाब हुई है। यूपीए सरकार में जहां हर माह घोटाले का होता था वहीं एनडीए सरकार के 11 माह निष्कलंक साबित हुए है। शुचिता और पारदर्शिता की नई संस्कृति का विकास हुआ है। यूपीए सरकार ने 12 लाख करोड़ रू. के घोटाले किए थे। एनडीए सरकार ने श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में कोयला खदानों में सिर्फ 20 खदानों की नीलामी से 2 लाख करोड़ रू. सरकारी खजाने में जमा किए है। इसी तरह टूजी स्पेक्ट्रम की नीलामी से 1 लाख करोड़ रू. से अधिक की आय सरकार ने अर्जित की है। स्पष्ट है कि कार्पोरेटपरस्त यूपीए सरकार और कांग्रेस थी, एनडीए नहीं है।

उन्होंने कहा कि कांग्रेस के नेतृत्व वाली यूपीए सरकार में थोक महंगाई जहां 7 प्रतिशत थी, पिछले 11 माह में घटकर ऋणात्मक 2 प्रतिशत रह गयी है। देश में जन धन योजना को प्रभावी बनाकर 11 माह में 14 करोड़ परिवारों को आर्थिक कवच दिया गया है। प्रधानमंत्री ने अटल पेंशन योजना के माध्यम से मजदूर और व्यापारी को जीवन की संध्या में बेहतर पेंशन का आर्थिक कवच दिया है। श्री नरेन्द्र मोदी सरकार की मुद्रा बैंक योजना आम आदमी के लिए बैंकों में पैठ का अवसर देगी और आम आदमी को अपने उद्यम और व्यवसाय के लिए कर्ज मिल सकेगा। इससे बेरोजगारी पर अंकुश लगेगा। स्वच्छता अभियान, नमामि गंगे जैसे कार्यक्रमों को जन-जन से जोड़ना है। उन्होंने कहा कि किसानों को सहायता देने की मापदंड बदलकर श्री नरेन्द्र मोदी सरकार ने किसानों को समर्थ बनाने का सफल अभियान आरंभ किया है। सहायता के लिए जहां राहत में डेढ़ गुना वृद्धि की गयी है वहीं प्राकृतिक आपदा में जहां 50 प्रतिशत क्षति पर राहत देय थी अब 33 प्रतिशत क्षति पर भी राहत की पात्रता दे दी गयी है। उन्होंने भूमि अधिग्रहण संशोधन के मामले में कांग्रेस के मिथ्या प्रचार की पोल खोलते हुए कहा कि संशोधन में उद्योग घरानों, कार्पोरेट को 1 इंच भूमि देने का भी प्रावधान नहीं है। देश में राजनीति में विकास को जोड़कर अटलजी ने जो अध्याय लिखा था उसे श्री नरेन्द्र मोदी ने आगे बढ़ाया है। श्री अटलजी ने विकास दर को 8.4 प्रतिशत पहुंचाया था जो यूपीए के 10 वर्षो में घटकर 4.4 रह गयी। 11 माह में एनडीए सरकार ने इसमें वृद्धि कर 5.4 प्रतिशत किया

है और इसे 8 प्रतिशत तक बढ़ाए जाने की संभावनाएं अंतर्राष्ट्रीय संस्थाएं व्यक्त कर चुकी हैं। भाजपा शासित राज्यों में कृषि की विकास दर दहाई में पहुंची है जो देश और दुनिया में बेजोड़ है। मुख्यमंत्री श्री शिवराजसिंह चौहान ने मध्यप्रदेश में विकास दर में निरंतरता बनाए रखने का बीड़ा उठाया है, जो वास्तव में प्रशंसनीय है। श्री राहुल गांधी को वास्तविकता देखने का नजरिया बदलना होगा। देश की सुरक्षा मजबूत हुई है। बंगलादेश के साथ सीमा संधि करके हमने सुरक्षा का नया इतिहास लिखा है। यही कारण है कि श्री नरेन्द्र मोदी का दुनिया के अमेरिका सहित आर्थिक रूप से संपन्न देशों में ऐतिहासिक स्वागत हो रहा है। उन्होंने कहा कि राजे रजवाड़े लोकतंत्र में आम आदमी को सत्ता शीर्ष पर पहुंचने बर्दाश्त नहीं कर पा रहे है। मध्यप्रदेश और केन्द्र में जनता की सरकार है।

उन्होंने कहा कि जनप्रतिनिधि अपने मानस पर पंडित दीनदयाल उपाध्याय के एकात्म मानवदर्शन और भारत मां के चित्र को उसकी आकांक्षाओं को अंकित कर आगे बढ़े और श्री नरेन्द्र मोदी के कांग्रेस मुक्त भारत के लक्ष्य को सफल बनाए।

सम्मेलन को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री श्री शिवराम सिंह चौहान ने कहा कि प्रदेश में विकास योजनाओं को मूर्त रूप देने में धनराशि की कमी नहीं होने दी जाएगी। ■

महिला मोर्चा राष्ट्रीय कार्यसमिति बैठक का समापन

'यूपीए रही है कॉरपोरेटपरस्त'

भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अमित शाह ने कहा कि सदस्यता महाभियान के दूसरे चरण महासंपर्क अभियान को केन्द्र सरकार और मध्यप्रदेश सरकार की उपलब्धियों से जनता को परिचित कराने और विपक्ष द्वारा उत्पन्न की जा रही भ्रांतियों को दूर करने का प्रभावी मंच साबित करें। महिला मोर्चा की राष्ट्रीय कार्यसमिति की बैठक का समापन करते हुए श्री अमित शाह ने कहा कि एक वर्ष में श्री नरेन्द्र मोदी सरकार ने देश में शुचिता और पारदर्शिता को सुनिश्चित कर महान परिवर्तन की नींव रखी है। नीति का महत्व नहीं होता, निष्ठा के साथ अमल में लायी गयी नीति ही प्रभावी और मूल्यवान होती है। यूपीए सरकार के 10 वर्षों के शासन में 73 घोटाले हुए जिनमें 12 लाख करोड़ रू. जनता की राशि का बंदरबाट किया गया। भारतीय जनता पार्टी पर कॉरपोरेटपरस्ती का आरोप लगाने वालों को हमें मुंहतोड़ जबाव देना है। कांग्रेस और उनके सहयोगी दलों ने जिन 220 कोयला खदानों को 600 करोड़ रू. में लुटा दिया था, उनमें से मात्र 20 खदानों से एनडीए सरकार ने 2 लाख करोड़ रू. की राशि सरकारी खजानें में जमा की है। 2-जी स्पेक्ट्रम को कुछ हजार करोड़ रू. में लुटा दिया गया था, भाजपा के नेतृत्व वाली एनडीए सरकार ने इससे एक लाख 8 हजार करोड़ रू. सरकारी खजानें में जमा करा दिये है। अब यह जनता को तय करना है कि कॉरपोरेटपरस्त यूपीए रही है या एनडीए है, क्योंकि जो राशि एनडीए सरकार ने सरकारी खजानें में जमा कराई है, अंतत: वह कॉरपोरेट घरानों से ही वसूली गयी है। कांग्रेस के आरोपों को कार्यकर्ता महासंपर्क अभियान में मुंहतोड़ जबाव देंगे।

उन्होंने कहा कि 26 मई 2015 गौरवशाली दिवस है, आजाद भारत में किसी भी गैर कांग्रेसी बहुमत वाली भारतीय जनता पार्टी और सहयोगी दलों की सरकार का एक वर्ष पूर्ण हो रहा है। इस अवसर पर लोकतंत्र में अपने-अपने तरह से समीक्षा होगी। हमारा कर्तव्य है कि हम जनता तक श्री नरेन्द्र मोदी सरकार की उपलब्धियों की वास्तविकता प्रस्तुत करें। भाजपा के पास कमोबेश 13 राज्यों का एकल अथवा सहयोग के साथ सत्ता सूत्र है और केन्द्र में हमारी सरकार है इसलिए हमें जनता के विश्वास पर खरा उतरना है। उन्होंने कहा कि मेक इन इंडिया और स्किल्ड इंडिया से आने वाले दिनों में बेरोजगारी पर प्रहार होगा और देश के नौजवानों को काम मिलेगा। जन-धन योजना से हमनें 14 करोड़ परिवारों को आर्थिक सुरक्षा कवच दिया है। श्री नरेन्द्र मोदी सरकार ने खेती के मुआवजे पर सामयिक कदम उठाया है। राहत के दायरें में किसानों को लानें के लिए 50 प्रतिशत क्षति की जगह 30 प्रतिशत क्षति की मंजूरी दी है। मुद्रा बैंक योजना से छोटे-छोटे उद्यमियों को रोजगार-धंधों के लिए कर्ज मिलेगा।

श्री अमित शाह ने मोर्चा की बहनों से आग्रह किया कि वे स्वच्छता अभियान और बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ अभियान के माध्यम से महिलाओं को पार्टी से जोड़े। श्री नरेन्द्र मोदी से मिलने आये खाप के पदाधिकारियों से श्री नरेन्द्र मोदी ने वचन लिया है कि वे देश में बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ अभियान को सफल बनाने में जुटेंगे। बहनें भी निजी संस्थाओं और एनजीओ के माध्यम से योजनाओं को सफल बनाने में जुटे।■

संगठननात्मक गतिविधियां : भाजपा दिल्ली प्रदेश कार्यसमिति बैठक

मोदी सरकार की उपलब्धियों से जनता को अवगत कराएं : अरुण जेटली

दिल्ली प्रदेश भारतीय जनता पार्टी ने 19 मई को एनडीएमसी कन्वेंशन सेंटर में प्रदेश कार्यसमिति बैठक का आयोजन किया।

प्रदेश कार्यसमिति बैठक का उद्घाटन केंद्रीय वित्त मंत्री श्री अरुण जेटली ने प्रदेश प्रभारी श्री प्रभात झा, केंद्रीय मंत्री डॉ. हर्षवर्धन, सांसदगण सर्वश्री विजय गोयल, रमेश बिधूड़ी, प्रवेश वर्मा, डॉ. उदित राज, महेश गिरी, दिल्ली विधानसभा में विपक्ष के नेता श्री विजेंद्र गुप्ता तथा राष्ट्रीय सचिव सर्वश्री आर.पी. सिंह एवं डॉ. अनिल जैन की उपस्थिति में किया।

इस अवसर पर श्री जेटली, श्री झा एवं श्री उपाध्याय ने पार्टी के वरिष्ठ नेता प्रो. विजय कुमार मल्होत्रा, श्री मदनलाल खुराना, श्री चरतीलाल गोयल, श्रीमती इंदिरा पसरीचा एवं श्रीमती मोहिनी गर्ग का अभिनंदन किया। सांसद श्री विजय गोयल ने श्री चरतीलाल गोयल की ओर से सम्मान प्राप्त किया जबकि श्रीमती मदनलाल खुराना एवं उनके पुत्र श्री विमल खुराना ने श्री मदनलाल खुराना की ओर से सम्मान ग्रहण किया। वहीं मंच पर तीन वरिष्ठ पार्टी नेता स्वयं उपस्थित थे। श्री जेटली ने पुराने दिनों को याद करते हुए कहा कि ये लोग जनसंघ के दिनों से ही सक्रिय हैं और चार दशक से भी अधिक समय से हमारा मार्गदर्शन और सहयोग कर रहे हैं।

इसके बाद अपने उद्घाटन भाषण में श्री अरुण जेटली ने कहा कि आज हम भाजपा सरकार के पहले वर्ष के पूरा होने का समारोह मना रहे हैं। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में यह हमारी सरकार की सबसे बड़ी उपलब्धि है कि अब भ्रष्टाचार केंद्र सरकार के शब्दकोश का हिस्सा नहीं है।

भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय महामंत्री (संगठन) श्री रामलाल ने 26 मई को जन कल्याण पर्व के रूप में

मनाने के लिए पार्टी कार्यकर्ताओं का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि विरोधियों की परवाह मत कीजिए, आपके पास विजन और उपलब्धियों वाली सरकार है इसलिए जनता के बीच सिर ऊंचाकर जाएं।

दिल्ली प्रदेश भाजपा प्रभारी श्री प्रभात झा ने कहा कि मैं पिछले एक वर्ष से दिल्ली प्रदेश भाजपा के साथ काम कर रहा हूं और मुझे लगता है कि पार्टी कार्यकर्ताओं का प्रदर्शन हाल ही में संपन्न चुनावों में लगे झटकों से नहीं मापा जा सकता क्योंकि एक नई पार्टी लोगों को सपनों के सब्जबाग दिखाकर गुमराह करने में सफल रही। अब वे अपने वादाओं को पूरा करने से भाग रहे हैं। अपने स्वागत भाषण में दिल्ली प्रदेश भाजपा अध्यक्ष श्री सतीश उपाध्याय ने उपस्थित प्रतिनिधियों का अभिनंदन किया।

दिल्ली प्रदेश भाजपा संगठन मंत्री श्री विजेंद्र शर्मा ने पार्टी के संगठनात्मक कार्यों - सदस्यता एवं महासंपर्क अभियान के बारे में जानकारी दी।

कार्यसमिति में दो राजनीतिक प्रस्ताव प्रस्तुत किए गए। पहले प्रस्ताव, जिसमें देश में सुशासन स्थापित करने के लिए मोदी सरकार की प्रशंसा की गई है, को श्री रमेश बिधूड़ी ने प्रस्तुत किया और श्री प्रवेश साहिब सिंह वर्मा ने इसका अनुमोदन किया। वहीं दूसरे प्रस्ताव, जिसमें आम आदमी पार्टी के वादा-खिलाफी की निंदा की गई है, को श्री विजेन्द्र गुप्ता ने रखा। इस प्रस्ताव का अनुमोदन श्री आशीष सूद ने किया।

कार्यसमिति ने एक शोक-प्रस्ताव जारी कर हाल ही में दिवंगत हुए भाजपा नेताओं-पूर्व विधायक श्री सुनील वैद, सचिव श्री किशन लाल, पूर्व महानगर पार्षद श्री जनार्दन गुप्ता, श्री विनोद सैनी के प्रति श्रद्धांजलि अर्पित की एवं एक मिनट का मौन भी रखा। ■

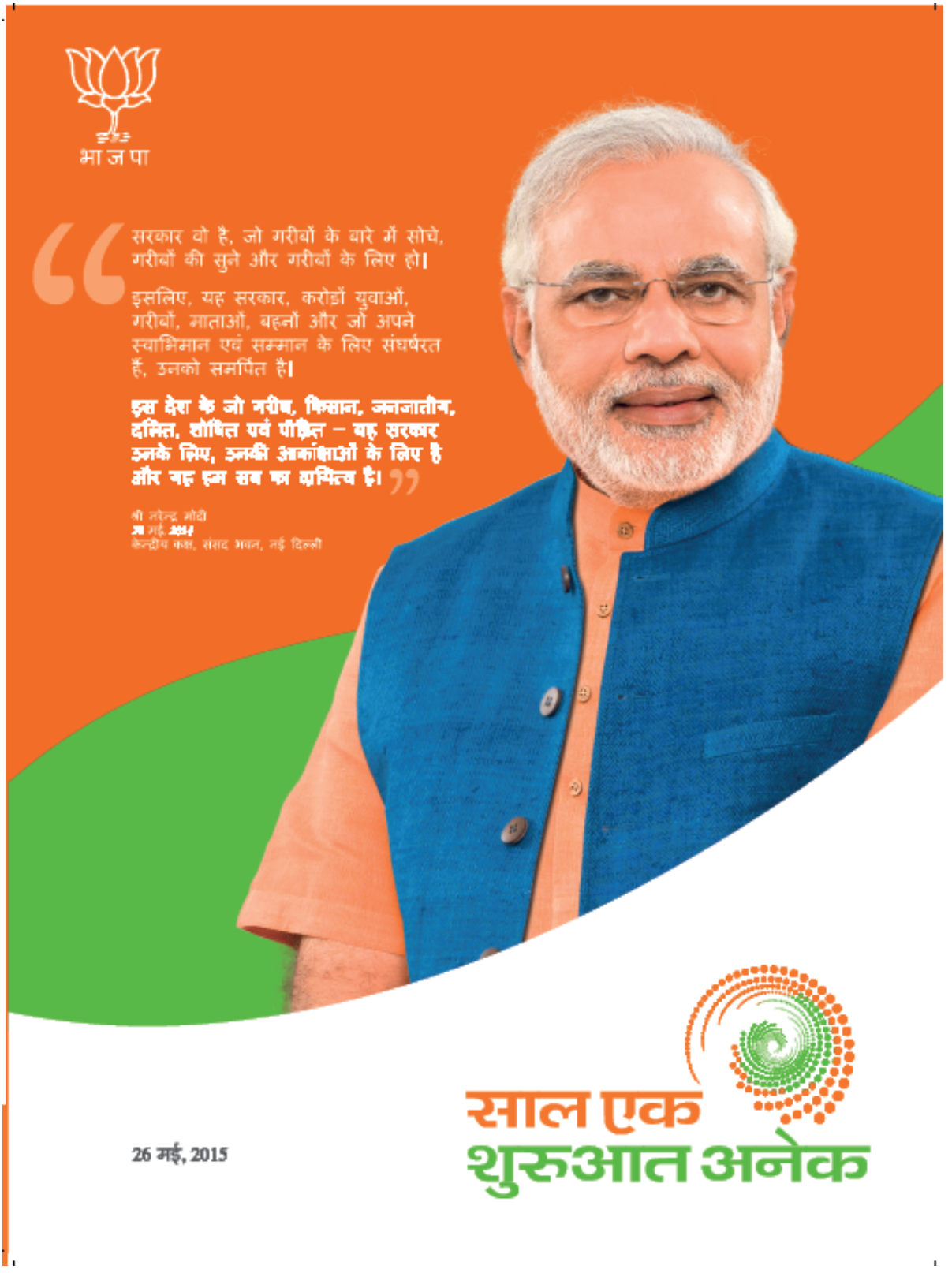

भा ज पा
सरकार वो है, जो गरीबों के बारे में सोचे, गरीबों की सुने और गरीबों के लिए हो।
इसलिए, यह सरकार, करोड़ों युवाओं, गरीबों, माताओं, बहनों और जो अपने स्वाभिमान एवं सम्मान के लिए संघर्षरत हैं, उनको समर्पित है।
इस देश के जो गरीब, किसान, जनजातीय, दलित, शोषित एवं पीड़ित – यह सरकार उनके लिए, उनकी आकांक्षाओं के लिए है और यह हम सब का दायित्व है।
श्री नरेन्द्र मोदी
केन्द्रीय कक्ष, संसद भवन, नई दिल्ली
26 मई, 2015
साल एक
शुरुआत अनेक

भरोसा – सरकार में विश्वास

भाजपा ने 2014 का चुनाव सुशासन एवं विकास के एजेंडे पर लड़ा। भारत की जनता को हमारा वादा सरकार पर भरोसा वापस लाने का था। हमारे पहले वर्ष में भारत सरकार ने यह विश्वास दिलाया कि **व्यवस्था परिणाम दे सकती है।** यह परिवर्तन कल्याण, सुरक्षा और सम्मान के तीन स्तंभों पर आधारित है।

- **कल्याण** – वंचितों, पिछड़ों एवं गरीबों की सरकार, जो उनके कल्याण के लिए अंत्योदय पर दृढ़ विश्वास के साथ कृत संकल्प है
- **सुरक्षा** – सुरक्षा के प्रति कड़ा रुख, चाहे महिला सुरक्षा का विषय हो या राष्ट्र के समक्ष किसी चुनौती का, डटकर जवाब देना
- **सम्मान** – हर व्यक्ति एवं राष्ट्र में सम्मान का भाव, भारत का विश्व में आशा एवं विश्वास की किरण का उभरना

सबका साथ, सबका विकास

- **जनजातियों** के सर्वांगीण विकास के लिए **वनबन्धु कल्याण योजना**
- **अनुसूचित जातियों** के उद्यमियों को 2 नई योजनाओं के माध्यम से आसान वित्तीय उपलब्धता
- **डॉ. बाबासाहेब अम्बेडकर स्मारक** के लिए मुम्बई में जमीन आवंटित
- अल्पसंख्यकों की शिक्षा एवं कौशल विकास पर जोर – **USTAAD** योजना शुभारम्भ, 86 लाख छात्रवृत्ति प्रदत्त (कन्याओं को 46%)
- श्रमिकों को लाभ – ईपीएस के अन्तर्गत **एक हजार रुपये की पेंशन की गारंटी** तथा **यूनिवर्सल एकाउन्ट नम्बर**
- अन्यथा सक्षम के लिए **सुगम्य भारत अभियान**
- कन्या सशक्तीकरण के लिए **बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ** कार्यक्रम
- **सुकन्या समृद्धि योजना** के अन्तर्गत 9.2% कर रहित ब्याज पर विशेष बचत खाता – 43 लाख खाते खुले
- दिल्ली एवं अन्य केन्द्र शासित प्रदेशों में **पुलिस बल** में **महिलाओं के लिए 33% आरक्षण** एवं **HIMMAT Safety App** जैसे कदमों से महिलाओं की सुरक्षा मजबूत
- **उत्तर-पूर्व पर विशेष ध्यान** – रु. 53,000 करोड़ का बजट प्रावधान, साथ ही गहन केन्द्रीय बातचीत एवं प्रयास

स्वच्छ - स्वस्थ – शिक्षित भारत

- सात भीषण बीमारियों की रोकथाम के लिए टीकाकरण का **मिशन इन्द्रधनुष** – 35 लाख शिशुओं का इसके अन्तर्गत टीकाकरण
- मूल्य नियंत्रण के अन्तर्गत 330 दवाइयों को जोड़कर **जीवनरक्षक दवाइयों की संख्या दोगुनी** की गई
- संयुक्त राष्ट्र द्वारा 21 जून को **अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस** घोषित, 177 से अधिक देशों द्वारा प्रस्ताव का अभूतपूर्व समर्थन
- एक **समर्पित मंत्रालय** के माध्यम से उत्कृष्ट योजनाओं द्वारा **स्किल इंडिया** के लक्ष्य की ओर अग्रसर
- छात्रों के लिए **छात्रवृत्ति** का राष्ट्रीय पोर्टल एवं छात्र ऋण के लिए **प्रधानमंत्री विद्यालक्ष्मी** कार्यक्रम – **शिक्षण की गुणवत्ता** बढ़ाने के लिए विशेष कार्यक्रम, व्यापक स्तर पर खुला **ऑनलाइन पाठ्यक्रम** तथा राष्ट्रीय ई-पुस्तकालय
- विभिन्न क्षेत्रों में विशिष्टता प्राप्त अनेक संस्थानों के साथ-साथ **पाँच नये IIMs** तथा **छह नये IIMs** की योजना
- लोगों द्वारा संचालित **राष्ट्रीय स्वच्छ भारत मिशन** – 58 लाख से अधिक शौचालयों का निर्माण
- औद्योगिक प्रदूषण पर ऑनलाईन निगरानी सहित गंगा सफाई के लिए **नमामि गंगे मिशन** को 20,000 करोड़ रुपये

गरीबी के विरुद्ध लड़ाई-गरीबों का सशक्तीकरण

- **वित्तीय समावेशन: प्रधानमंत्री जन धन योजना** – 15 करोड़ बैंक खाते खुले, 13.4 करोड़ RuPay डेबिट कार्ड जारी तथा लगभग 16,000 करोड़ रुपये खातों में जमा
- **असुरक्षित को सुरक्षा:** गरीबों को व्यापक सामाजिक सुरक्षा देने की शुरुआत (जन सुरक्षा) – जीवन एवं दुर्घटना बीमा, पहले सप्ताह में ही 6.7 करोड़ का पंजीकरण
- **बिना टेंशन के पेंशन: अटल पेंशन योजना** द्वारा प्रत्येक, जो किसी अन्य सामाजिक सुरक्षा कार्यक्रम से जुड़े ना हों, के लिए प्रति माह न्यूनतम 1,000 रुपये से 5,000 रुपये तक की पेंशन सुनिश्चित
- **वित्तरहित को वित्तीय उपलब्धता:** छोटे उद्यमियों को आसान ऋण सुविधा के द्वारा सशक्तीकरण के लिए **MUDRA बैंक**, जिससे वे साहूकारों के चंगुल से मुक्त हो सकें। अनुसूचित जाति / अनुसूचित जनजाति के उद्यमों को ऋण देने में प्राथमिकता।
- **बेसहारे को सहारा** – सेल्फ इम्प्लॉयमेंट टैलेंट यूटिलाइजेशन (SETU) एवं **अटल इनोवेशन मिशन (AIM)**
- महंगाई पर तत्काल नियंत्रण करने का वादा पूरा। अब **महंगाई नियंत्रण** में है, इससे आम लोगों, विशेषकर गृहिणियों को काफी राहत
- **रोजगार निर्माण** अर्थव्यवस्था का केन्द्र बिंदु **– मेक इन इंडिया** द्वारा विशाल पैमाने पर उत्पादन और अधिक से अधिक लोगों द्वारा उत्पादन
- मन्द अर्थव्यवस्था में जान फूंकी **– भारत** अब **विश्व की सबसे तेज विकास दर वाली बड़ी अर्थव्यवस्था**

प्रधानमंत्री मुद्रा योजना

अन्नदाता सुखी भवः - किसानों का कल्याण

- **प्राकृतिक आपदाओं से राहत:** फसल बर्बाद होने पर क्षतिपूर्ति में 50% की वृद्धि, नियमों का सरलीकरण तथा ऋण भुगतान में सुविधा
- **विश्व व्यापार संगठन में** किसानों के दीर्घकालिक हितों के लिए **कड़ा रुख**
- **हर खेत को पानी:** नहर, लघु सिंचाई तथा वाटरशेड विकास के लिए व्यापक प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना
- मिट्टी की उत्पादकता बढ़ाने के लिए **नीम-कोटेड यूरिया;** नई **यूरिया नीति** घोषित
- उत्पादकता बढ़ाने के लिए किसानों की सहायता हेतु **मृदा स्वास्थ्य कार्ड** कार्यक्रम
- किसानों को समर्पित **किसान टीवी**
- गोवंश की उत्पादकता बढ़ाने के लिए **राष्ट्रीय गोवंश मिशन**
- कृषि ऋण लक्ष्य को रु. 8.5 लाख करोड़ तक बढ़ाकर **ऋण उपलब्धता** आसान किया गया
- **भूमि अधिग्रहण विधेयक** में किसानों के लाभ के लिए संशोधन – 13 कानूनों के अन्तर्गत अधिगृहीत भूमि के लिए अधिक मुआवजा, सिंचाई, सड़क और सस्ते घरों के लिए ग्रामीण आधारभूत संरचना का विकास, साथ ही रोजगार निर्माण तथा जीवनस्तर में सुधार

जरूरत के समय राहत

- देश के अंदर अथवा बाहर, जब भी भारतीयों के जीवन पर संकट आया, सरकार द्वारा त्वरित एवं निर्णायक कार्रवाई
- प्राकृतिक आपदा, चाहे जम्मू-कश्मीर, कोसी बाढ़ अथवा हुद-हुद चक्रवात हो
- अंतर्राष्ट्रीय संकट के समय – ऑपरेशन मैत्री, जिसमें 15,500 भारतीय तथा 170 विदेशी (33 देश), नेपाल के भूकम्प से लेकर ऑपरेशन राहत तक, जिसमें 4,700 भारतीय तथा 1,900 विदेशी (48 देश) को यमन से निकाला गया

आधारभूत संरचना - राष्ट्र के आधार का निर्माण

- **ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में 24X7 बिजली** उपलब्ध कराने के लिए समर्पित योजना प्रक्रियाधीन, जिससे करोड़ों लोगों के जीवन में उजाला
- **कोयला उत्पादन, ऊर्जा** और **ट्रांसमिशन क्षमता** में अतिरिक्त बढ़ोतरी के साथ-साथ **बिजली उत्पादन** में रिकॉर्ड प्रदर्शन
- **यात्री सुविधाओं** में बढ़ोतरी पर ध्यान – वाई-फाई, समर्पित हेल्पलाइन, कागज रहित अनारक्षित टिकट, ई – कैटरिंग और सीसीटीवी कैमरा इत्यादि
- **6 नये तीर्थ यात्री ट्रेनों** की शुरुआत और **कटरा लाइन वैष्णो देवी यात्रियों** के लिए शुरू
- सड़क यात्रियों की सुविधा में बढ़ोतरी – **62 टोल प्लाजा** रद्द तथा 300 टोल प्लाजा पर इलेक्ट्रॉनिक व्यवस्था
- **सड़क सुरक्षा** को प्रोत्साहन – दुर्घटना होने पर बिना नगद भुगतान की सुविधा, सीसीटीवी निगरानी, जीपीएस ट्रैकिंग और जन परिवहन की वीडियो रिकॉर्डिंग
- सपनों को पंख - दो एयरपोर्ट का शुभारम्भ; छह का कार्य प्रगति पर
- बंदरगाह विकास के लिए **सागरमाला परियोजना** की शुरुआत
- अब तक सर्वाधिक **बंदरगाह क्षमता** का विकास एवं **कार्गो विकास** का दोगुना होना
- **स्मार्ट सिटी मिशन** तथा **शहरी विकास** (AMRUT) के लिए 98,000 करोड़ रुपये

स्वच्छ, पारदर्शी एवं भ्रष्टाचारमुक्त सरकार

- **काले धन पर कड़ी कार्रवाई:** विशेष जांच दल तथा कर चोरी करने वालों के विरुद्ध त्वरित कार्रवाई के लिए कारावास सहित कड़ा काला धन कानून पारित
- **भ्रष्टाचार रहित आवंटन एवं नीलामी:**
  - 204 निरस्त कोयला-ब्लॉक में से 67 कोयला ब्लॉक नीलामी के द्वारा खदानों की निश्चित अवधि के लिए रु. 3,35 लाख करोड़ जुटाया गया
  - अब तक की सबसे सफल स्पेक्ट्रम की नीलामी से **रु. 1.09 लाख करोड़ जुटाया**
  - नीलामी से दोषपूर्ण प्रणाली को बदलकर खनन कानून में सुधार
- **सही हाथों में, सही समय पर, सही मात्रा में सब्सिडी:**
  - 12.5 करोड़ घरों को एल.पी.जी. सब्सिडी के लिए राष्ट्रीय स्तर पर **विश्व की सबसे बड़ी** सीधा लाभ हस्तांतरण योजना **(पहल)** की शुरुआत। उत्तरोत्तर **छात्रवृत्ति एवं पेंशन** को इसके अन्तर्गत लाने की योजना

व्यवस्था में सुधार

- **सरकार, जो जनता पर विश्वास करती है** – **स्व प्रमाणन** से नागरिकों का अपने कागजात को प्रमाणित करने के अधिकार से सशक्तीकरण, पेंशनरों के लिए अवरोधमुक्त **बायोमीट्रिक पेंशन** (1 लाख + निबंधन के 4 महीने से कम में) के लिए जीवन प्रमाण पोर्टल, MyGov के द्वारा शासन में नागरिकों की भागीदारी तथा बॉयलर निरीक्षण से लेकर श्रमिक कंप्लायंस रिपोर्ट तक का स्व प्रमाणन
- **टीम इंडिया** – केन्द्र-राज्य भागीदारी का राष्ट्रीय विकास के लिए सहकारी एवं प्रतिस्पर्द्धी संघवाद के माध्यम से पुनर्भाषित करना। नीति आयोग के गठन से लेकर राज्यों के लिए अभूतपूर्व 10% ज्यादा निधि
- **व्यवसाय करने में आसानी (Ease of Doing Business)** – निवेशक फैसिलिटेशन सेल का गठन, यूनिफाइड फार्म के जरिए सभी रिटर्न फाइल करने के लिए ई-बिजनेस पोर्टल, आयात-निर्यात **प्रावधानों में ढील**, उद्योग को **विनियंत्रित** किया

TEAM INDIA

www.bjp.org
www.narendramodi.in
/BJP4India
/narendramodi

Printed by:
Bharatiya Janata Party – 11 Ashoka Road, New Delhi – 110001, Tel: +91-11-23005700, Fax: +91-11-23005787

यूपीए की सांठ-गांठ वाले पूंजीवाद का पतन - सुधार का एक वर्ष

✍ अरुण जेटली

एक वर्ष पूर्व प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली राजग सरकार के पद ग्रहण करने से पहले की स्थिति को पीछे मुड़कर देखिये। सरकार गैर-विवेकाधीन और नियम आधारित शासन को बढ़ावा देने के बजाय अपने हाथ में सत्ता को केंद्रित करना चाहती थी। ''बिक्री के लिए'' संकेत सभी मंत्रालयों पर लटका दिया गया। कुछ खास लोगों के लिए स्पेक्ट्रम को कौड़ियों के भाव आवंटित कर दिया गया। निवेशकों ने अपने निवेश खो दिये। मंत्रियों, सिविल सेवकों, निवेशकों को जेल में डाल दिया गया और मुकदमा चलाया गया। कोयला खदानों को वस्तुत: बिना किसी कीमत के आवंटित कर दिया गया। पैसे लेकर पर्यावरणीय मंजूरी दी जाती थी। कांग्रेस पार्टी के नेता किराए पर लेने के चाहने वालों के बन गये।

वे उन कंपनियों की एक बड़ी संख्या में भागीदार थे जिनको कोयला खदानें आवंटित की गयी थी। संपार्श्विक विचारों से प्रेरित विवेकाधीन और मनमाने ढंग से आवंटन ने कई अभियोजनों को प्रेरित किया और कोयला खदानों के सेक्टर आभासी पक्षाघात के शिकार हुये। इसका एक प्रतिकूल प्रभाव विद्युत क्षेत्र जैसे उपभोग उद्योगों पर पड़ा। यहां तक कि पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह भी यूपीए के आत्म विनाश की नीतियों के कारण नहीं बक्शे गये। अदालतों को हस्तक्षेप करना पड़ा और आवंटन रद्द करना पड़ा।

''पहले आओ पहले पाओ'' के अप्रचलित सिद्धांत के आधार पर आवंटन का एक वैधानिक तंत्र खनन क्षेत्र के लिए प्रदान किया गया। राज्य सरकारों - देश के सबसे गरीब राज्यों - को धोखे में रखा गया। उनको उनके राज्यों में कोयला खानों जैसे बहुमूल्य संसाधनों का बहुत छोटा सा हिस्सा मिला। यहां तक कि सोने का आयात को कुछ के दवारा नियंत्रित किया गया। सांठ-गांठ वाला पूंजीवाद अपने चरम पर था। व्यवसायी और उद्योगपति मंत्रियों और पार्टी कार्यकर्ताओं की सेवा में काम निकलवाने के लिए खड़े रहते थे।

नियमित रूप से आवंटी के नाम का संकेत चिट मंत्रियों को पार्टी पदाधिकारियों द्वारा राज्य उदारता के साथ उनके पक्ष में काम करने के लिए दिया जाता था। इस अराजक शासन में भाई-भतीजावाद अपने चरमोत्कर्ष पर पहुंच गया जब सीबीआई और प्रवर्तन निदेशालय के रूप में जांच एजेंसियों को सीधे राजनीतिक व्यक्तियों द्वारा नियंत्रित किया गया। इन एजेंसियों के लिए संदिग्ध नियुक्तियाँ की गयी थी। राजनीतिक विरोधियों और असुविधाजनक व्यापारियों को परेशान किया जा रहा था। जिन एजेंसियों का मुख्य काम भ्रष्टाचार का पर्दाफाश करना था वे खुद भ्रष्ट हो गए थे। न्यायालयों को नियमित रूप से संभव दोषी के खिलाफ कार्रवाई के लिए हस्तक्षेप करना पड़ा। भारत में निवेश में स्वाभाविक अभियोजन पक्ष के जोखिम शामिल थे। क्या यह कोई आश्चर्य नहीं था कि निवेशक देश छोड़कर चले गए थे? इस देश में कारोबारी माहौल बाधित कर दिया था।

हम एक साल बाद कहाँ खड़े हैं? साउथ ब्लॉक और नॉर्थ ब्लॉक के बाहर उद्योगपतियों का पूरा परेड अब खत्म हो गया है। गलियारों में चुप्पी है - शांत और खुशनुमा। प्रत्यक्ष विदेशी निवेश 2014-15 (अप्रैल 2014-फरवरी 2015) में 2013-14 (अप्रैल 2013-फरवरी 2014) के बीस अरब अस्सी करोड़ डॉलर की तुलना में बढ़कर अट्ठाइस अरब अस्सी करोड़ डॉलर हो गयी है। दूसरी चीजें भी स्वीकृति की प्रक्रिया के अग्रिम चरण में हैं। पर्यावरण मंत्रालय ने संस्थागत तंत्र स्थापित किया है जिसके तहत मंजूरी उद्देश्य मानदंडों के आधार पर नियमित तौर पर दिया जा रहा है। पर्यावरण मंजूरी पर अवैधानिक टैक्स का शासन खत्म हो गया है। स्पेक्ट्रम नीलामी से एक लाख करोड़ रुपए से अधिक का लाभ उठाया गया है। कुछ कोयला ब्लॉकों के आवंटन से ही दो लाख करोड़ रुपए से अधिक की आय हुई है। नीति बनाने को छोड़कर मंत्रियों की कोई भूमिका नहीं है। कीमतों में एक बाजार तंत्र द्वारा निर्धारित किया जा रहा है और सफल बोलीदाता को नीलामी

से निर्धारित किया जाता है। शब्द ''भ्रष्टाचार'' भारत के राजनीतिक शब्दकोश से हटाया जा रहा है। ''निवेशकों पर मुकदमा चलाने'' का वातावरण पूरी तरह से उलट गया है। सुधारों और उदारीकरण के पर जोर है लेकिन कोई सांठ-गांठ वाला पूंजीवाद, कोई उत्पीड़न नहीं है। ''घोटाले और कांड, भ्रष्टाचार और बदले की राजनीति'' राज अब पुरानी बात है।

चालू वित्त वर्ष में निहित घाटा और सरकार के राजस्व में सुधार के साथ, अब जोर सामाजिक सुरक्षा और सामाजिक क्षेत्र की योजनाओं को मजबूत बनाने पर है। 15 करोड़ से अधिक जन-धन खाते खोले जा चुके हैं। अब एक प्रयास उन खातों में पैसा लगाने के ऊपर है। इसके अलावा, कमजोर वर्गों के लिए सरकारी योजना, रसोई गैस सब्सिडी अब 12.6 करोड़ से अधिक लाभार्थी परिवारों को सीधे हस्तांतरित किया जा रहा है। 9 मई को शुरू की गयी दुर्घटना में मृत्यु के लिए बीमा योजना में पहले नौ दिनों में ही 5.57 करोड़ पॉलिसी धारक हो गए हैं। प्रति वर्ष - यह योजना 12 रुपये की एक प्रीमियम पर उपलब्ध है। प्रति वर्ष 330 रुपये के प्रीमियम पर जीवन बीमा योजना शुरू की गयी है और पहले 18 दिनों में ही इसके 1.74 करोड़ उपभोक्ता हैं।

अटल पेंशन योजना अच्छी तरह से लागू किया गया है। भारतीय समाज का ऐसा वर्ग जो अब तक पेंशन सेवाओं से वंचित था अब वह वर्ग भी पेंशनयाफ्ता हो जाएगा। मुद्रा बैंक धन जुटाने में 5.77 करोड़ छोटे उद्यमियों की सहायता करेंगे। पीड़ित किसानों को उदारीकृत नियमों के तहत राहत दी गई है। मनरेगा के लिए अतिरिक्त पैसा आवंटित किया गया है। राज्य की बढ़ी हुई संसाधनों को तेजी से बुनियादी ढांचे के निर्माण, सिंचाई और सामाजिक क्षेत्र की योजनाओं की दिशा में उपयोग किया जाएगा।

गरीब और कमजोर दोनों को मजबूत बनाने के लिए संस्था निर्माण और सामाजिक सुरक्षा पर जोर देने के साथ यही यूपीए की रिश्तेदारी पूंजीवाद और संस्थागत विनाश और सजग के उदारीकरण और भ्रष्टाचार उन्मूलन के बीच का अंतर है। ■

(लेखक केंद्रीय वित्तमंत्री हैं।)

100 ''युवा संवाद'' कार्यक्रम कर केन्द्र सरकार की 1 वर्ष की उपलब्धियों को जनता तक पहुंचाएगा भाजयुमो

भारतीय जनता युवा मोर्चा ने 21 मई को ''युवा संवाद'' कार्यक्रम के माध्यम से केन्द्र की भाजपा सरकार की 1 वर्ष की उपलब्धियों का उल्लेख किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता भाजयुमो के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं सांसद श्री अनुराग ठाकुर ने की। कार्यक्रम में भाजपा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्री विनय सहस्रबुद्धे जी, केन्द्रीय मंत्री श्री अनंत कुमार, केन्द्रीय राज्य मंत्री श्री किरेन रिजीजू, जन. वी. के. सिंह, श्री गिरिराज सिंह व भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता श्री संबित पात्रा उपस्थित थे।

श्री अनुराग ठाकुर ने कहा कि भाजुयमो देश भर में 100 ''युवा संवाद'' कार्यक्रम करेगा और केन्द्र की भाजपा सरकार की 1 वर्ष की उपलब्धियों को जनता तक पहुंचायेगा। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार को शासन में लाने हेतु युवाओं का अहम योगदान रहा है।

पार्टी उपाध्यक्ष श्री विनय सहस्रबुद्धे ने कहा कि देश में जनता ने मोदी सरकार नहीं बनाई अपितु राम राज्य की स्थापना की है। केन्द्रीय मंत्री श्री अनंत कुमार ने कहा कि केन्द्र की भाजपा सरकार ने देश के हर परिवार के लिए बैंकों में खाते और जीवन बीमा को प्राथमिकता दी है। केन्द्रीय गृह राज्य मंत्री श्री किरेन रिजीजू ने कहा कि पूर्वात्तर राज्यों में जो विकास की लहर पिछले 60 सालों में थम सी गई थी वह भी मोदी जी के शासनकाल में पटरी पर आ गई है।

जनरल वी.के. सिंह कि यह "मोदी सरकार का इफेक्ट" ही है जिसके चलते न सिर्फ भारतीय नागरिक अपने देश में सुरक्षित महसूस करते हैं, बल्कि विदेशों में रहने वाले भारतीय भी अपने को सुरक्षित महसूस करते हैं। कार्यक्रम को श्री गिरिराज सिंह एवं राष्ट्रीय प्रवक्ता श्री संबित पात्रा ने भी संबोधित किया। ■

संसद का बजट सत्र

कुल 24 विधेयक किए गए पारित

रिकार्ड कामकाज, लोक सभा में 117 प्रतिशत और राज्य सभा में 101 प्रतिशत अधिक कामकाज

हाल ही में संपन्न हुए संसद के बजट सत्र में रिकार्ड कामकाज हुआ। बतौर संसदीय कार्यमंत्री श्री एम. वेंकैया नायडू के अनुसार बजट सत्र के दौरान दोनों सदनों द्वारा 24 विधेयक पारित किये गये, जो पिछले पांच सालों में सर्वोत्तम है। हालांकि विपक्ष के विरोध के चलते भूमि अधिग्रहण विधेयक एवं जीएसटी विधेयक पारित नहीं हो पाया। भूमि अधिग्रहण विधेयक को जहां दोनों सदनों की संयुक्त समिति को भेजा गया वहीं जीएसटी संबंधित विधेयक स्थायी समिति को भेजा गया।

संसद का बजट सत्र 13 मई को अनिश्चित काल के लिए स्थगित हो गया जिसमें हाल के वर्षो के दौरान रिकार्ड कामकाज हुआ। संसद का यह सत्र पिछले कुछ सालों के दौरान सबसे अधिक कामकाज वाला सत्र रहा, जिसमें लोकसभा ने कामकाज के निर्धारित समय की तुलना में 117 प्रतिशत अधिक और राज्य सभा में 101 प्रतिशत अधिक कामकाज हुआ।

संसदीय कार्यमंत्री श्री एम. वेंकैया नायडू ने कहा कि बजट सत्र के दौरान पारित किये गये विधेयकों की संख्या का जहां तक सवाल है, दोनों सदनों द्वारा 24 विधेयक पारित किये गये जो पिछले पांच सालों में सर्वोत्तम है। विपक्ष के विरोध के चलते भूमि अधिग्रहण विधेयक एवं जीएसटी विधेयक पारित नहीं हो पाया। भूमि अधिग्रहण विधेयक को जहां दोनों सदनों की संयुक्त समिति को भेजा गया वहीं जीएसटी संबंधित विधेयक स्थायी समिति को भेजा गया।

लोकसभा में 23 फरवरी को शुरू हुआ बजट सत्र का पहला चरण 20 मार्च तक चला और एक महीने के अवकाश के बाद दूसरे चरण की बैठक 20 अप्रैल से शुरू हुई। इस दौरान लोकसभा ने रेल बजट और विभिन्न मंत्रालयों की लेखानुदानों की मांगों को मंजूरी देने के साथ 2015-16 के आम बजट को पारित किया।

बजट सत्र में कई महत्वपूर्ण विधेयक पारित किए गए जिनमें नागरिकता संशोधन विधेयक, खान और खनिज (विकास और विनियमन) संशोधन विधेयक, मोटरयान संशोधन विधेयक, कोयला खनन (विशेष उपबंध) विधेयक, बीमा विधि (संशोधन विधेयक), किशोर न्याय (बालकों की संरक्षण और देखरेख) विधेयक, भारत और बांग्लादेश के बीच कतिपय राज्य क्षेत्रों के अर्जन और अंतरण को प्रभावी करने के लिए संविधान संशोधन विधेयक तथा काला धन कर अधिरोपण विधेयक प्रमुख हैं। सदन ने सत्र के अंतिम दिन महत्वपूर्ण व्हिस्ल ब्लोअर विधेयक को भी अपनी मंजूरी प्रदान कर दी। उल्लेखनीय है कि वस्तु एवं सेवा कर विधेयक को राज्यसभा की प्रवर समिति को भेज दिया गया।

संसद का यह बजट सत्र बेहद उत्पादक रहा। संसद की कार्यवाही पर नजर रखने वाली अनुसंधान एजेंसी पीआरएस लेजिस्लेटिव के अनुसार सत्र के समापन के साथ लोकसभा की उत्पादकता इतिहास में सर्वाधिक 123 फीसदी रही। संसदीय कार्य मंत्री श्री एम. वेंकैया नायडू ने सत्र की उच्च उत्पादकता पर संतुष्टि जताई, लेकिन उन्होंने लोकसभा के निर्धारित 35 में से 32 कार्य दिवस के दौरान विपक्ष पर कार्यवाही में बाधा उत्पन्न करने का आरोप भी लगाया। उन्होंने कहा कि विपक्ष ने 32 दिनों में से 20 दिन प्रश्नकाल को निलंबित करने के लिए नोटिस दिया। राज्य सभा में विपक्ष ने 32 में से 15 दिन कार्यवाही स्थगित करने की मांग की।

बांग्लादेश भूमि सीमा समझौता बिल संसद में पारित

संविधान का 119वां संशोधन

संसद ने बजट सत्र में बांग्लादेश के साथ भूमि सीमा समझौते को कार्यान्वित करने वाला विधेयक पारित कर दिया। इस विधेयक में दोनों देशों के बीच कुछ परिक्षेत्रों के हस्तांतरण का प्रावधान है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने भूमि सीमा विधेयक को समर्थन देने के लिए विपक्षी दलों का आभार जताया और मुद्दे को लेकर बांग्लादेश की प्रधानमंत्री शेख हसीना से बातचीत भी की। श्री मोदी ने इसे लेकर कांग्रेस अध्यक्षा श्रीमति सोनिया गांधी का भी शुक्रिया अदा किया। यह संविधान का 119वां संशोधन है। इसके लागू होने पर अगर बांग्लादेशी परिक्षेत्रों में रहने वाले भारतीय नागरिक वहीं पर रहना चाहते हैं तो उन्हें बांग्लादेश की नागरिकता दी जाएगी और अगर भारतीय परिक्षेत्रों में रहने वाले बांग्लादेशी नागरिक यहीं पर रुकना चाहते हैं तो उन्हें भारत की नागरिकता दी जाएगी।

इस विधेयक में भारत और बांग्लादेश के बीच परिक्षेत्र प्राप्त करने और उनके हस्तांतरण के लिए दोनों देशों के बीच 16 मई, 1974 को हुए समझौते को प्रभावी बनाने के लिए संविधान की पहली अनुसूची को संशोधित किया गया है। इसे 2013 में संसद में पेश किया गया था। 2011 में तत्कालीन प्रधानमंत्री श्री मनमोहन सिंह और बांग्लादेशी प्रधानमंत्री शेख हसीना ने भूमि हस्तांतरण समझौते पर हस्ताक्षर किए थे। इस समझौते को भूमि सीमा समझौता (एलबीए) के रूप में जानते हैं।

संविधान संशोधन विधेयक को क्रियान्वित करने के लिए 2013 में राज्यसभा में विधेयक पेश किया गया, लेकिन विपक्ष के विरोध के कारण इसे पास नहीं कराया जा सका। श्री नरेंद्र मोदी के प्रधानमंत्री बनने के बाद इस विधेयक को पुन: विदेश मामलों की स्थायी समिति के पास भेज दिया गया, जिस पर दिसंबर 2013 में एक रिपोर्ट पेश की गई। संविधान की पहली अनुसूची में प्रत्येक राज्य और केंद्र शासित प्रदेशों के क्षेत्र परिभाषित किए गए हैं, जो कि मिलकर एक भारत का गठन करते हैं। इस विधेयक में बांग्लादेश के साथ असम, पश्चिम बंगाल, त्रिपुरा और मेघालय के क्षेत्रों के आदान-प्रदान के समझौते को क्रियान्वित करने का प्रावधान है।

उन्होंने कहा कि ऐसी मांगें गंभीरता तथा नियमों के सम्मान में कमी को दर्शाती हैं, जिसके कारण संसद के बहुमूल्य समय का नुकसान होता है। मुझे उम्मीद है कि आने वाले दिनों में इस परंपरा में परिवर्तन होगा। लोकसभा अध्यक्षा श्रीमती सुमित्रा महाजन ने बैठक को अनिश्चित काल के लिए स्थगित करने से पहले अपने पारंपरिक संबोधन में सदन के सुचारू संचालन के लिए सभी दलों के नेताओं को धन्यवाद दिया।

काले धन पर रोक:

'अघोषित विदेशी आय और संपत्ति' पारित

इस सत्र के दौरान संसद द्वारा महत्वपूर्ण विधेयक 'अघोषित विदेशी आय और संपत्ति' पारित किया गया। केंद्रीय वित्त मंत्री श्री अरुण जेटली ने राज्यसभा में विधेयक पेश करते हुए कहा कि इस कानून के जरिए पहली बार विदेशों में रखी गई भारतीय संपत्ति पर देश में कर लगाया जाएगा। श्री जेटली ने बहस का जवाब देते हुए कहा कि इस विधेयक का देश में जमा काले धन से कोई संबंध नहीं है। श्री जेटली ने कहा कि विदेशों में रखी गई अघोषित संपत्तियों को सफेद बनाने के लिए एक निश्चित अवधि का मौका दिया जाएगा, जिस दौरान संपत्ति घोषित किए जाने पर उस पर 30 फीसदी कर और अतिरिक्त 30 फीसदी जुर्माना लगाया जाएगा।

उन्होंने साथ ही कहा कि यदि इस दौरान संपत्ति की घोषणा नहीं की जाती है और बाद में उसका पता चलता है तो उस पर 30 फीसदी कर के अलावा 90 फीसदी जुर्माना लगाया जाएगा, जिससे प्रभावी कर 120 फीसदी हो जाएगा। इस विधेयक में मुजरिमों को तीन से 10 साल के सश्रम कारावास की भी व्यवस्था है। श्री जेटली ने कहा कि जी-20 देशों द्वारा मौद्रिक लेन-देन की सूचना का स्वत:स्फूर्त आदान-प्रदान करने की पहल में भारत ने बढ़-चढ़ कर हिस्सा लिया है। श्री जेटली ने राज्यसभा में कहा कि यदि आप निश्चित समय सीमा के भीतर संपत्ति की घोषणा नहीं करते, तो समय सीमा आगे निकल जाएगी। 2017 तक सूचनाओं का आदान-प्रदान होने लगेगा। उन्होंने कहा कि दुनिया टैक्स हैवेन को गुपचुप तरीके से चलते रहने के लिए अधिक समय तक बर्दाश्त नहीं कर सकती।

गौरतलब है कि गत वर्ष नवंबर में जी-20 ब्रिसबेन शिखर सम्मेलन में नेताओं ने एक नई वैश्विक पारदर्शिता व्यवस्था अपनाई है, जिसके तहत 90 से अधिक देश 2017-18 तक कर-सूचनाओं का स्वत: आदान-प्रदान करने लगेंगे। साथ ही श्री जेटली ने संसद में कुछ सप्ताह पहले

शेष पृष्ठ 24 पर

सरकार की उपलब्धियां : प्रधानमंत्री ने शुभारंभ की बीमा और पेंशन योजनाएं

330 रुपए में मिलेगा 2 लाख रुपए का बीमा

मैं प्रधान सेवक हूं, राजनेता नहीं : नरेन्द्र मोदी

प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने 9 मई को तीन बड़ी सामाजिक सुरक्षा योजनाओं का शुभारंभ किया। इनमें एक योजना पेंशन क्षेत्र की और दो बीमा योजनाएं हैं। यही नहीं, विभिन्न राज्यों व केंद्र शासित प्रदेशों में 112 केंद्रों में आयोजित कार्यक्रमों में राष्ट्रीय स्तर पर एक साथ इन योजनाओं की शुरुआत हुई। इन कार्यक्रमों में संबंधित राज्यों के मुख्यमंत्री, राज्यपालों के अलावा केंद्रीय मंत्री सम्मिलित हुए। गृह मंत्री श्री राजनाथ सिंह लखनऊ में इन योजनाओं की शुरुआत की। वित्त मंत्री श्री अरुण जेटली ने मुंबई में, विदेश मंत्री श्रीमती सुषमा स्वराज ने भोपाल में, शहरी विकास मंत्री श्री वेंकैया नायडू ने वाराणसी, खाद्य मंत्री श्री रामविलास पासवान ने पटना में और सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री श्री नितिन गडकरी ने भागलपुर में इन योजनाओं की शुरुआत की।

प्रधानमंत्री श्री मोदी ने कहा कि सभी बैंक खाता धारकों के लिए ये तीनों योजनाएं हैं। प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना 18 से 50 साल के लोगों के लिए है। इस योजना के लिए सलाना 330 रुपए का प्रीमियम देना होगा जबकि प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना के लिए सलाना 12 रुपए का प्रीमियम देना होगा। दुर्घटना में अपाहिज होने पर भी पीड़ित को 2 लाख रुपए का दुर्घटना बीमा मिलेगा। श्री मोदी ने कहा कि बड़े औद्योगिक घराने कम लोगों को रोजगार देते हैं। जिनके पास सुरक्षा का कवच नहीं उन्हें सुरक्षा देंगे। मैं प्रधान सेवक हूं, राजनेता नहीं।

श्री मोदी ने कहा कि चार महीने में 15 करोड़ जनधन खाते खोले गए जिसमें 15,800 करोड़ रुपये जमा हैं। साथ ही रसोई गैस सब्सिडी सीधे लाभार्थियों के बैंक खातों में डाले जाने से सब्सिडी का दुरुपयोग रुका है। उन्होंने कहा कि मैंने गरीबों से कहा है, यह देश, यह सरकार और हमारे बैंक आपके लिए है। उन्होंने कहा कि गरीब सहारा नहीं चाहते हैं। हम जिस तरीके से सोचते हैं, उसमें बदलाव लाने की जरूरत है। गरीबों को शक्ति चाहिए।

प्रधानमंत्री ने कहा कि यह अत्यंत दु:ख का विषय है कि देश के 80 से 90 प्रतिशत लोगों की पहुंच अभी तक बीमा और पेंशन तक नहीं हुई है। विकास का फल निर्धनतम लोगों तक अवश्य पहुंचना चाहिए और इसलिए केंद्र सरकार ने प्रधानमंत्री जन धन योजना की शुरुआत की। जन धन योजना को अब और आगे बढ़ाते हुए जन सुरक्षा के तहत इन सुरक्षा योजनाओं को लागू किया जा रहा है। जन धन योजना के द्वारा जिन लोगों को बैंकिग की सुविधा प्राप्त नहीं थी उन लोगों तक इसका लाभ पहुंचाया गया।

श्री मोदी ने कहा कि हम चाहते हैं कि देश के सामान्य व्यक्ति के जीवन में, क्योंकि संकट अमीर को नहीं आता है, संकट गरीब को आता है, फुटपाथ पर सोता है, बेचारे को मरना पड़ता है, साइकिल लेकर जाता है, मर जाता है,

प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना, प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना और अटल पेंशन योजना एक साथ देश भर में 115 स्थानों पर शुरु की गई है। प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना (पीएमएसबीवाई) के तहत सभी बचत बैंक खाताधारकों को 12 रुपये सालाना प्रीमियम पर 2 लाख रुपये का दुर्घटना बीमा मिलेगा। इस योजना में दुर्घटना के कारण मौत या स्थाई अपंगता पर 2 लाख रुपये का कवर मिलेगा। यह योजना 18 से 70 साल की आयु समूह के लोगों के लिए है।

प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना (पीएमजेजेबीवाई) के तहत सभी बचत बैंक खाताधारकों को सालाना 330 रुपये के प्रीमियम पर बीमित व्यक्ति की मौत होने की स्थिति में 2 लाख रुपये का जीवन बीमा कवर मिलेगा। यह योजना 18 से 50 साल के आयु वर्ग के लोग ले सकते हैं।

अटल पेंशन योजना का जोर असंगठित क्षेत्र पर होगा और अंशधारकों को 1000, 2000, 3000, 4000 और 5000 रुपये प्रति महीने पेंशन के रूप में मिलेगा। पेंशन 60 वर्ष की आयु से मिलनी शुरू होगी। इस योजना में दी जाने वाली पेंशन 18 से 40 साल की उम्र के लोगों द्वारा दी जाने वाली योगदान राशि पर निर्भर करेगी।

बच्चा स्कूल जाता है, बस के नीचे आता है, मरता है, उनकी सुरक्षा कौन करेगा?

उन्होंने कहा कि हम कुछ भी हासिल कर सकते हैं, लेकिन अगर फल गरीबों तक नहीं पहुंचता है तो हमारी विकास यात्रा अधूरी है। प्रधानमंत्री ने लोगों से अपने घरेलू नौकरों, ड्राइवरों समेत अन्य के लिए इन योजनाओं के लिए प्रीमियम देने का भी अनुरोध किया।

श्री मोदी ने कहा कि इसी तरह मुद्रा बैंक द्वारा छोटे कारोबारियों को वित्त की सुविधा उपलब्ध कराई गई है, जिससे वे अब तक वंचित थे। वहीं, सामाजिक सुरक्षा योजनाओं द्वारा असुरक्षित लोगों को सुरक्षा प्रदान करने में मदद मिलेगी। इन योजनाओं को प्रयोग के आधार पर 1 मई से शुरू किया गया और इन योजनाओं से अब तक क्रमशः 5 करोड़ 5 लाख लोग जुड़ चुके हैं।

इस अवसर पर प्रधानमंत्री ने कहा कि हमारी कोशिश ये है, हमें गरीबी के खिलाफ लड़ाई लड़ना है लेकिन उस लड़ाई लड़ने के लिए हमारे सिपाही, हम गरीबों को वो ताकत देना चाहते हैं, वो स्वयं इस गरीबी के खिलाफ लड़ाई लड़ने के लिए हमारे सिपाही बनेंगे और इसलिए गरीबों के कल्याण के लिए आज इन तीन योजनाओं का आरंभ हो रहा है।

श्री मोदी ने कहा कि सामान्यतया राजनेता उन योजनाओं को लाते हैं जिसके कारण अगले चुनाव में फायदा हो जाए, लेकिन मैं राजनेता नहीं हूं। मैं एक प्रधान सेवक के रूप में आया हूं।

और इसलिए आज जो योजना लाया हूं उन नौजवानों के लिए हैं ताकि आप जब 60 साल के होंगे आपको कभी किसी के सहारे की जरूरत न पड़े। आपके भीतर की शक्ति हो, आपकी अपनी शक्ति हो। आप अपना गौरव के साथ बुढ़ापा भी बिता सको। ■

पृष्ठ 22 का शेष...

कहा था कि काले धन के आकार के बारे में सरकार तीन संस्थानों की रपट का अध्ययन कर रही है। एक अनुमान के मुताबिक, देश का 466 अरब डॉलर से लेकर 1,400 अरब डॉलर तक का काला धन अवैध तौर पर विदेशी बैंकों में जमा रखा गया है।

36 साल बाद राज्य सभा ने
एक निजी विधेयक पारित किया

राज्यसभा ने जहां संविधान संशोधन सहित 12 सरकारी विधेयक पारित किये गये वहीं 36 साल के अंतराल के बाद उच्च सदन में एक निजी विधेयक भी पारित किया गया। सत्र को अनिश्चितकाल के लिए स्थगित करने से पहले अपने पारंपरिक संबोधन में सभापति श्री हामिद अंसारी ने कहा कि 13 बैठकों वाले इस सत्र के दौरान चार ध्यानाकर्षण प्रस्तावों के जरिये कार्यपालिका की जवाबदेही मांगी गयी। सदस्यों की इन चर्चाओं में रूचिपूर्ण भागीदारी तथा इस तरह के और अवसरों की मांग ने और अधिक समय उपलब्ध कराये जाने की जरूरत को उजागर किया है। उन्होंने कहा कि यह तभी संभव हो पायेगा जब सत्र की अवधि लंबी हो जैसा कि कई वर्ष पहले परंपरा रही थी। सत्र के दौरान 36 साल के अंतराल के बाद विपरीत लिंगी (ट्रांसजेंडर) व्यक्तियों के अधिकारों से संबंधित, निजी विधेयक को पारित किया गया। गौरतलब है कि उच्च सदन के 234वें सत्र को लोकसभा के बजट सत्र के साथ ही आहूत किया गया था। लेकिन बजट सत्र के पहले चरण के संपन्न होने के बाद अवकाश अवधि में राज्यसभा के 234वें सत्र का सत्रावसान कर दिया गया। इसके बाद 23 अप्रैल से उच्च सदन का नया सत्र आहूत किया गया।

बेनामी लेन-देन संशोधन विधेयक लोकसभा में पेश

इस सत्र के दौरान बेनामी लेन-देन संशोधन विधेयक लोकसभा में पेश किया गया। इसमें बेनामी संपत्ति की जब्ती और इस मामले में जुर्माना और कारावास का प्रावधान किया गया है। इससे पहले प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में केंद्रीय मंत्रिमंडल ने बेनामी लेन-देन (निषेध) विधेयक-2015 को संसद में पेश किए जाने को मंजूरी दी थी। बेनामी लेन-देन (निषेध) संशोधन विधेयक-2015 को केंद्रीय वित्त मंत्री श्री अरुण जेटली ने लोकसभा में पेश किया। इस विधेयक के जरिए बेनामी लेन-देन (निषेध) अधिनियम-1988 में संशोधन किया जाएगा। विधेयक पेश करने के बाद इसे स्थायी समिति को सौंप दिया गया। श्री जेटली ने वर्तमान कारोबारी साल के बजट भाषण में काले धन की रोकथाम के लिए कई कदम उठाए जाने की घोषणा की थी। उन्होंने बजट भाषण में कहा था कि घरेलू काले धन को नियंत्रित करने के लिए एक नया और अधिक व्यापक बेनामी लेन-देन निषेध विधेयक वर्तमान सत्र में संसद में पेश किया जाएगा। लोकसभा ने कुछ अन्य विधेयकों को भी संबंधित स्थायी समिति को सौंपा है, जिसमें शामिल हैं कंपंसेटरी एफॉरेस्टेशन फंड विधेयक-2015, राष्ट्रीय जलमार्ग विधेयक-2015 और सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम विकास (संशोधन) विधेयक-2015। ■

वैचारिकी

पक्षधरता बनाम गुटनिरपेक्षता

पंडित दीनदयाल उपाध्याय

भारत और सुपर पावर शक्तियां

भारत की विदेश नीति हमारे राष्ट्रीय एजेंडे का एक प्रमुख हिस्सा है। आजाद भारत ने एक स्वतंत्र, सार्वभौमिक विदेश नीति की स्थापना की। इस विदेश नीति का उद्देश्य औपनिवेशिक नीतियों से छुटकारा प्राप्त करना था। भारत के प्रथम प्रधानमंत्री जवाहर लाल नेहरू की विदेश नीति को लेकर सदैव आलोचना होती रही है कि इसने तमाम संवेदनशील मुद्दों पर राष्ट्रीय हितों के साथ समझौता किया है। देश आज भी नेहरू की नीतियों का खामियाजा भुगत रहा है। हम यहां पंडित दीनदयालजी द्वारा 1960 में लिखे लेख के अंतिम भाग को प्रकाशित कर रहे हैं, जिसमें भारत की विदेश नीति के सूक्ष्मतम पहलुओं का विवेचन किया गया है और बताने की कोशिश की गई है कि किस प्रकार भारत की स्वतंत्र, सार्वभौमिक नीति से देश के राष्ट्रीय हितों का संरक्षण किया जा सकता है।

अब हम विश्व की दो शक्तिशाली गुटों पर विचार करें। जिस तरह वे पूरे विश्व को वे आपस में बांट रहे हैं, झीना-झपटी कर रहे हैं तथा एक-दूसरे को चुनौती दे रहे हैं उससे तो यही लगता है कि युद्ध अपरिहार्य सा हो गया है। आज सभी शांति और निरस्त्रीकरण की बात कर रहे हैं, लेकिन उनकी घोषणाएं युद्ध नगाड़े बजा रही हैं। जितने समय तक युद्ध को रोका जा सकता है, उतना ही अच्छा है। लेकिन ऐसा मान लेना गलत है कि युद्ध नहीं हो सकता। यदि युद्ध होता है, दोनों में से किसी गुट में शामिल होना हमारे हित में होगा। यह हम युद्ध से बाहर रहने का निर्णय लेते हैं, तो हमें पूर्णतया गुटनिरपेक्ष रहना होगा। हमें इस बात पर भी विचार करना चाहिए कि हमें युद्ध से बाहर न रखने की भी कोशिश होगी। इसलिए क्यों न हम अपनी इच्छा से अभी से तैयार रहना चाहिए। कुछ लोग तर्क-वितर्क कर सकते हैं। लेकिन इस तरह का निर्णय भविष्य की संभावनाओं पर निर्भर करेगा और संदेहप्रद भी रहेगा।

यदि हमें अपने हितों के विरुद्ध निर्णय लेना पड़े, तो क्यों न हम ऐसे समय में निर्णय करें जो काल्पनिक अनुमानों व धारणाओं पर आधारित न हो, बल्कि वास्तविक धरातल पर हो। वैश्विक आधिपत्य की राजनीति से दूर रहकर हम अपने को युद्ध से बचा सकते हैं, लेकिन एक गुट में शामिल होने पर हम युद्ध का कारण भी बन सकते हैं।

भारत की भौगालिक स्थिति भी यह मांग करती है कि गुट-निरपेक्ष नीति बनाए रखें। यदि हम एक गुट में शामिल होते हैं, तो दक्षिण और दक्षिण-पूर्व एशिया के अन्य देश भी उसी तरफ आएंगे। यह भी सत्य है कि आजकल भारत पर दबाव बनाया जा रहा है कि इनमें से कुछ देश गुट में शामिल हो जाएं। लेकिन आज इसमें से कोई देश किसी गुट में शामिल हो जाता है, तो इसका कारण भारत की गुट-निरपेक्ष विदेश नीति का असफल होना है। प्रत्येक नीति जिसका हम अनुसरण करते हैं, उसके कुछ दायित्व व सीमाएं भी हैं। जब तक हम अपने दायित्व को पूरा नहीं करते और अपनी सीमाओं में नहीं रहते, यह नीति सफल नहीं हो सकती। आज वैश्विक शक्तियां पूरे विश्व में अपना प्रभुत्व जमाने के लिए संघर्ष कर रही हैं। यदि भारत अपनी स्वतंत्र नीति के दृढ़निश्चय का त्याग करता है तो अन्य दूसरे देश स्वतंत्र नीति अपनाने का साहस नहीं कर सकते।

अमेरिका अपने विरोधियों का विरोध करता है, साम्यवाद का नहीं

आजकल कुछ लोगों का विचार है कि भारत को दोनों शक्तिशाली गुटों द्वारा प्रतिपादित सिद्धांतों के आधार पर किसी एक गुट का चयन कर लेना चाहिए।

अमेरिका लोकतंत्र में विश्वास करता है और साम्यवाद से लड़ने के लिए दृढ़निश्चयी भी है। इन लोगों का मानना है कि इनके आधार पर अमेरिकी गुट में शामिल होने के अलावा भारत के पास कोई अन्य विकल्प नहीं है। लेकिन इस तर्क में दो कमियां हैं। यह सत्य नहीं है कि जिन दो घोषणापत्रों की अमेरिका सौगंध खाता है, उनका अमेरिका द्वारा बनाए जा रहे वैश्विक संगठनों में कोई वास्तविक स्थान है। इसमें कोई शक नहीं कि अपने देश में अमेरिका लोकतंत्र और लोकतांत्रिक परंपराओं का हिमायती है। लेकिन प्राय: बिना किसी अपवाद के विश्व के उन सभी देशों से जिनसे अमेरिका का गठबंधन है, लोकतंत्र का गला घोटा गया है। अपने देश से बाहर साम्यवाद का विरोध भी अवास्तविक है। टीटो का यूगोस्लाविया निश्चिततौर पर एक साम्यवादी देश है। लेकिन अमेरिका इसके विरोध में नहीं है। अमेरिकी सरकार का दूसरे देशों से संबंध बनाने का निर्णय किसी सैद्धांतिक विचारों के आधार पर नहीं करती, बल्कि रूसी विरोध की सामरिक जरूरतों के आधार पर करती है।

रूस का मामला है। रूस स्वयं साम्राज्यवाद और पूंजीवाद का विरोधी होने का दावा करता है। परन्तु वह पूर्वी यूरोप के राज्यों को बंधक बनाए हुए है। चीन ने तिब्बत को अपना उपनिवेशक बनाकर रखा हुआ है और उसके तिब्बतियों के प्रति दक्षिण अफ्रीका की रंगभेद नीति से भी कहीं अधिक अत्याचारी नीतियां बना रखी है। परन्तु रूस को इस पर कोई आपत्ति नहीं है क्योंकि रूस का साम्राज्यवाद के प्रति यह विरोध केवल पश्चिम देशों के विरोध तक सीमित है। यह सच है कि आज कोई भी गैर-कम्युनिस्ट देश सोवियत ब्लॉक में नहीं है। परन्तु इससे सिद्धांतों के प्रति रूस का लगाव कहीं दिखाई पड़ता है, परन्तु रूस ब्लाक के साथ जुड़ी श्रद्धा रखने वाले गैर-कम्युनिस्ट देश सामान्यतया गैर-संलग्नता की नीतियां अपनाकर चलते हैं।

विदेशी सहायता आत्महत्या समान होगी

एक और दलील दी जाती है कि साम्यवाद एक अन्तर्राष्ट्रीय खतरा है और इसे अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर लड़ा जाना चाहिए। परन्तु यह बात पहचाननी होगी कि पश्चिमी जीवन मूल्यों की खामियां के चलते साम्यवाद का जन्म और पोषण हुआ। अत: जो इसके पक्ष में है, वे अमरीकी कम्युनिज्म का विरोध नहीं कर सकते हैं, केवल राष्ट्रवाद और आध्यात्मिक लोग ही कम्युनिज्म के विरोधी प्रमाणित हो सकते हैं। कम्युनिज्म के विरूद्ध लड़ाई में पश्चिमी राष्ट्रों ने बड़ी लापरवाही से इन दोनों ताकतों को नष्ट कर दिया और परिणामस्वरूप उन्हीं राष्ट्रों को, जिनकी वे मदद करते हैं, वे समय-समय पर उनके विरूद्ध हो गई और उन्होंने अंतराष्ट्रीय कम्युनिज्म को अपना लिया।

भारत को कम्युनिज्म के साथ अपने ही देश में लड़ना होगा। इसके लिए सभी संसाधन हमारे पास उपलब्ध हैं। सच यही है जिस पल भी हम कम्युनिज्म को हराने के लिए विदेशी सहायता की मांग करते हैं, उसी क्षण हम स्वयं अपनी इच्छा से ब्रह्मास्त्र को उखाड़ फेंकते हैं जिससे कम्युनिज्म जिंदा नहीं हो सकता है। कम्युनिज्म की अति आतंकवादी श्रद्धा को हटाना आवश्यक है। यदि हम भी इसी दिशा में सोचते हैं तो हम जीवित कैसे रह सकते हैं? कोई आश्चर्य नहीं जिन राज्यों ने कम्युनिज्म से लड़ने के लिए अमरीका से मदद मांगी है, उन राज्यों के लोगों को विश्वास और भरोसा धीरे-धीरे खत्म होता जा रहा है और अंतत: इन देशों में सैन्य तानाशाही का पाप कुचल दिया गया है और वहां स्वयं ही ताकत का झंडा लहरा है।

हम चाहे जिस भी दृष्टिकोण से देखें यह हमारे स्वयं के हित में आवश्यक है कि हम वर्तमान नान-एलाइनमेंट की नीति पर चले। हमने इस नीति पर चलने का फैसला उस समय किया था जब या तो चीन 'रेड' (साम्यवादी) हो गया था, न ही उस समय पाकिस्तान ने अमरीका के साथ सैन्य संधि की थी। बाद की होने वाली घटनाओं ने स्वयं इसकी पुष्टि की है।

जैसा कि हमने उपर्युक्त तथ्यों को देखा है कि इस नीति को स्वीकार करने से हम पर कोई दायित्व नहीं पड़ा है। सर्वप्रथम तो शांति और अहिंसा की नीति पर चलने से सभी समस्याओं के अपने विचारों से किसी भी यथार्थवाद की समाप्ति नहीं होनी चाहिए। हमें विश्व को बताना होगा कि जब हम कहते हैं कि हमारी स्वतंत्र विदेश नीति है तो हमारा वही होता है जो हम कहते हैं। जब तक पाकिस्तान और चीन के साथ सख्ती से पेश नहीं आते हैं तब तक हमारी स्वतंत्र विदेशी नीति उस उद्देश्य को प्राप्त नहीं कर सकती है। बेहतर होगा कि हम लोगों के अन्य झगड़ों को दूर रखें।

एक और चीज जो हमें जरूर करनी चाहिए वह यह कि हमें वैश्विक झगड़ों से दूर रहना चाहिए। यह भी कहा जा सकता है कि विश्व के दो शक्तिशाली गुट जो हमेशा अपनी सैन्य-शक्ति प्रदर्शन के लिए तैयार रहते हैं, ऐसी स्थिति में

शेष पृष्ठ 29 पर

वीर सावरकर जयंती – 28 मई पर विशेष

'वरं जनहित ध्येयम् केवला न जन स्तुतिः'

देशहित के लिए जिस प्रकार कई प्रकार का त्याग करना पड़ता है, उसी भांति जनप्रियता का त्याग करने को भी तत्पर रहना चाहिए। बहुत से लोग जनमानस में प्रतिष्ठा की आंच आ जाने की आशंका से अपने विचारों को दबा जाते हैं, सिद्धांतों से समझौता करने को तत्पर हो जाते हैं। यह नीति किसी भी प्रकार उचित नहीं है। इसी हेतु मैंने 'वरं जनहित ध्येयम् केवला न जन स्तुतिः' को एक आदर्श ध्येय वाक्य के रूप में अपनाया है।

(1937 के हि.म. अधिवेशन का अध्यक्षीय भाषण)

यह सुनिश्चित है कि आज विश्व में प्राचीन मिस्र तथा बैबिलोन की जो प्राचीन सभ्यताएं सुविख्यात हैं, जब उनका नाम भी किसी ने नहीं सुना था, तब भी पवित्र सिंधु-सलिल की पावन कलकल ध्वनि के साथ अग्निहोत्र के यज्ञ-धूम्र की सुगंध प्रवाहित हुआ करती थी और यह महान् सिंधु-तट वेदों के पावन घोष से गुंजित होता था, जिससे आर्यजनों के अंतःकरण में आध्यात्मिकता की पुनीत ज्योति प्रज्वलित होती थी। हमारे ये महान् आर्य पूर्वज वीर तथा पराक्रमी थे तथा सत्य के अनुसंधान में संलग्न रहकर इन्होंने नितांत गंभीरतम तत्वों की अनुभूति की थी। इसी कारण से वे एक महान् तथा शाश्वत संस्कृति की आधारशिला रखने में सफल हो सके।

(हिंदुत्व, पृष्ठ 10)

पृष्ठ 9 का शेष...

दक्षिण कोरिया से इन क्षेत्रों में हुए समझौते

1. भारत और दक्षिण कोरिया के बीच संशोधित दोहरे कराधान बचाव संधि (डीटीएए) पर दस्तखत हुए। इससे दोनों देशों के करदाताओं को दोहरे टैक्स की देनदारी से राहत मिलेगी। भारत और कोरिया के बीच 1985 में भी इस तरह का समझौता हुआ था।
2. आडियो-विजुअल को-प्रोडक्टशन के क्षेत्र में दोनों देशों में समझौता हुआ। इससे फिल्म, एनीमेशन और ब्राडकॉस्टिंग प्रोग्राम के परस्पर निर्माण में तेजी आएगी। दोनों देशों के फिल्म उद्योग के लिए परस्पर अवसर उपलब्ध होंगे।
3. नेशनल सिक्युरिटी के क्षेत्र में समझौता।
4. इलेक्ट्रिक पावर डेवलपमेंट और न्यू एनर्जी इंडस्ट्रीज के क्षेत्र में दोनों देशों के बीच समझौते हुए।
5. यूथ अफेयर्स और स्पोर्ट्स के क्षेत्र में समझौता। इसके तहत अंतरराष्ट्रीय कांफ्रेंस, सेमिनार, फेस्टिवल्स के जरिए गतिविधियों में परस्पर भागीदारी बढ़ेगी।
6. रोड ट्रांसपोर्ट और हाइवे के क्षेत्र में समझौता। इससे रोड पॉलिसी, डिजाइन एवं निर्माण, रोड ऑपरेशन, रोड मैनेजमेंट एवं सुरक्षा, इंटेलीजेंट ट्रांसपोर्ट सिस्टम्स और इलेक्ट्रानिक टोल कनेक्शन सिस्टम्स सहित कई क्षेत्रों में सहयोग बढ़ेगा।
7. समुद्री परिवहन और लॉजिस्टिक के क्षेत्र में दोनों देशों में समझौता। ■

भाजपा राष्ट्रीय मीडिया कार्यशाला

सरकार की उपलब्धियों को मीडिया में राजनीतिक दृष्टिकोण से रखें : अमित शाह

भाजपा नेतृत्व वाली केंद्र सरकार की उपलब्धियों का राष्ट्रीय स्तर पर व्यापक प्रचार-प्रसार हो, इस हेतु केंद्रीय स्तर पर एक दिवसीय मीडिया कार्यशाला का आयोजन 14 मई, 2015 को किया गया।

अपने अध्यक्षीय भाषण में श्री अमित शाह ने सरकार के एक साल के कार्यकाल की उपलब्धियों पर प्रकाश डालते हुए उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि इन उपलब्धियों को मीडिया के समक्ष राजनीतिक दृष्टिकोण के साथ ठोस तरीके से रखा जाए। यूपीए सरकार की खामियों को सामने रखते हुए श्री शाह ने कहा कि एक साल में हमने बहुत कुछ कर दिखाया। आपदा आई नेपाल में और भारत सरकार पहुंच गई। कश्मीर की त्रासदी हुई तो हम वहां थे। ओले गिरे तो सारे मंत्री खेतों में पहुंच गए। अफगानिस्तान से एक क्रिश्चियन पादरी को सकुशल वापस लाया गया। श्रीलंका से राजनीतिक हस्तक्षेप कर मछुआरों को वापस लाया। उन्होंने कहा कि यह विजिबल सरकार है।

श्री शाह ने पिछली यूपीए सरकार पर प्रहार करते हुए कहा कि पूर्व की सरकार में न शासन करने की इच्छा थी न साहस। यहां इच्छा भी है और साहस भी। इस सरकार के आने के बाद ब्यूरोक्रेसी में विश्वास बढ़ा है। जनता में विश्वास बढ़ा है। जनता अपने नेता में, नौकरशाह अपने मंत्रियों में और मंत्रियों का अपने प्रधानमंत्री पर विश्वास बढ़ा है। लेकिन पहले की सरकार में ऐसा नहीं था। 10 साल में हर तरह से घपले होते रहें सीएजी के आंकड़ों के मुताबिक लगभग 12 लाख करोड़ से ज्यादा के घपले हुए। वर्तमान सरकार के एक साल के कार्यकाल में हमारे विरोधी भी कोई भ्रष्टाचार का आरोप नहीं लगा पाए। उनमें इतना साहस नहीं कि वे भ्रष्टाचार का आरोप लगाएं।

कार्यशाला के दूसरे सत्र को केंद्रीय अनु.जाति एवं अनु. जनजाति तथा समाज कल्याण मंत्री श्री थावरचंद गहलोत, राष्ट्रीय संगठन मंत्री श्री रामलाल जी और कानून, संचार व सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री श्री रवि शंकर प्रसाद ने संबोधित किया।

श्री गहलोत ने सत्र को संबोधित करते हुए मंत्रालय के विजन और लक्ष्य पर प्रकाश डालते हुए कहा कि हमारा विजन एक समावेशी समाज का निर्माण करना है जिसमें लक्ष्य समूहों के सदस्य अपनी समृद्धि और विकास के पर्याप्त समर्थन के साथ उपयोगी, सुरक्षित और गरिमापूर्ण जीवन व्यतीत कर सकें।

श्री रविशंकर प्रसाद ने सत्र को संबोधित करते हुए कहा कि मोदी सरकार मानवीय संवेदना की सरकार है। नेपाल में भूकंप आया तो मोदी सरकार ने जैसी सक्रियता दिखाई उसकी प्रशंसा अमेरिका, फ्रांस, इंग्लैंड जैसे देशों ने भी की एवं सहायता का आग्रह किया। श्रीलंका में मछुआरों को फांसी की सजा मिल गई थी लेकिन मोदी सरकार ने राजनीति हस्तक्षेप करते हुए उन्हें छुड़ाया।

राष्ट्रीय संगठन महामंत्री श्री रामलाल ने सरकार की उपलब्धियों को जनता तक सटीक तरीके से किस प्रकार पहुंचाया जाए उस रणनीति का ब्यौरा

उपस्थित प्रदेश प्रवक्ता, प्रदेश मीडिया संयोजक व सह-संयोजक के समक्ष रखा।

कार्यशाला के तीसरे सत्र को केंद्रीय सड़क व परिवहन मंत्री श्री नितिन गडकरी और केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री श्रीमती निर्मला सीतारमण ने संबोधित किया।

सत्र को संबोधित करते हुए श्री नितिन गडकरी ने कहा कि लोक सभा चुनाव में पूरी तरह परास्त होने के बाद कांग्रेस पस्त हो गई है और इसीलिए सत्ता के खिलाफ भ्रम फैलाकर राजनीति फायदा उठाना चाहती है।

सत्र को संबोधित करते हुए श्रीमती निर्मला सीतारमण ने कहा सरकार और विभिन्न मंत्रालयों द्वारा अच्छा काम हो रहा है, जिसे बेहतर तरीके से लोगों के समक्ष रखना है। श्रीमती सीतारमण ने खाद्य सुरक्षा का जिक्र करते हुए कहा यूपीए के समय डब्ल्यूटीओ में एक समझौता हुआ था कि किसानों को एमएसपी नहीं दे पाएंगे। लेकिन हमने किसान के हितों से समझौता किए बगैर कई दबावों के बावजूद अपनी बात रखी।

कार्यशाला के चौथे व अंतिम सत्र को केंद्रीय विदेश मंत्री श्रीमती सुषमा स्वराज और केंद्रीय वित्त मंत्री श्री अरुण जेटली ने संबोधित किया।

श्रीमती सुषमा स्वराज ने कहा कि एक वर्ष से कम कार्यकाल में हमने वो स्थान प्राप्त कर लिया है कि आज विश्व में प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी की गिनती अग्रणी नेताओं में होने लगी है। श्रीमती स्वराज ने कहा कि हमारे प्रधानमंत्री ने 27 सितंबर, 2014 को संयुक्त राष्ट्र अधिवेशन को संबोधित करते हुए अपनी इच्छा जाहिर की कि 21 जून को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस घोषित किया जाए। इसके बाद भारतीय विदेश मंत्रालय ने 193 देशों के विदेश मंत्रालय से सह-प्रायोजक के लिए आग्रह किया। सिर्फ 75 दिनों के भीतर, 11 दिसंबर 2014 को 177 देश सह-प्रायोजक के लिए राजी हो गए। यह अपने आप में महत्वपूर्ण है।

कार्यशाला के समापन सत्र को संबोधित करते हुए वित्त मंत्री श्री अरुण जेटली ने कहा कि यह सरकार भ्रष्टाचार की पृष्ठभूमि में आई और निराशा के माहौल में मोदी जी को प्रधानमंत्री बनाया। एक साल में कोई भ्रष्टाचार नहीं हुआ। उन्होंने कहा कि देश की विकास दर 4.4 प्रतिशत से बढ़कर 7.5 प्रतिशत हो गई है और हम हर आर्थिक मापदंड पर आगे बढ़ रहे हैं।

कार्यशाला के सभी सत्रों का संचालन भाजपा के राष्ट्रीय सचिव श्री श्रीकांत शर्मा ने किया। ■

पृष्ठ 26 का शेष...

एक छोटी सी भी घटना युद्ध का रूप ले सकती है। ऐसा तर्क दिया जाता है कि गुट-निरपेक्ष देश मध्यस्थता का कार्य कर सकते हैं और गलतफहमी को दूर करने में मदद भी कर सकते हैं। शायद यही दृष्टिकोण पंडित नेहरू को कई मामलों में हस्तक्षेप करने के लिए प्रेरित करता है। लेकिन यदि मध्यस्थता हमारे हितों के अनुकूल न हो तो हमें इससे दूर ही रहना चाहिए। इस संबंध में एक प्रसिद्ध कहावत है कि 'हवन करते हाथ जला' जो हमें चेतावनी देती है। मध्यस्थता के लिए वहीं देश सबसे उपयुक्त है, जिसमें किसी की रूचि न हो। दुर्भाग्यबस भारत की ऐसी स्थिति नहीं है। अतएव जो मध्यस्थता करता है उसे जल्दबाजी में मामलों को प्रचारित करने से परहेज करना चाहिए। आज के विश्व में जहां ज्यादातर सिद्धांतों की जगह जुगाड़ हो, वहां सिद्धांत आधारित मध्यस्थता बेमानी है। अतएव इन कारणों से विश्व शांति के हमारे प्रयास प्रभावित होते हैं। इस दिशा में हमारे प्रयास राष्ट्रीय हितों को सुरक्षित रखने में असफल रहे हैं। जो कुछ भी हमने सफलताएं प्राप्त की है, वह सभी के सामने हैं। लेकिन हालिया पेरिस शिखर सम्मेलन की असफलता पर प्रधानमंत्री का मौन और संयुक्त राष्ट्र संघ के 'फोर-पॉवर प्रपोजल' से भारत को जिस तरह से दूर रखा गया, से स्पष्ट है कि प्रधानमंत्री को सरकारी नीति में बदलाव लाने की जरूरत है। वास्तव में यदि प्रधानमंत्री भारत के हितों के अनुरूप विदेश नीति का निर्माण करते समय दूसरी बड़ी पार्टियों से सहयोग की मांग करते तो हमारी विदेश नीति वास्तविक राष्ट्रीय नीति होती और हम विदेश नीति के मुद्दों पर अतिशयोक्तिवाद से बच पाते। ■

(आर्गनाइजर, स्पेशल आर्टिकल, 18 जुलाई 1960)

लोकमाता अहिल्याबाई होलकर जयंती समारोह
'उत्तर प्रदेश में अगली सरकार भाजपा की ही होगी'

भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अमित शाह ने कहा कि दिल्ली का रास्ता उ0प्र0 से होकर जाता है। गरीब के बेटे को प्रधानमंत्री बनाने का एक बड़ा श्रेय उ0प्र0 की जनता को है। पार्टी अध्यक्ष ने यह विचार पाल-बघेल-धनगर समाज द्वारा महारानी आहिल्याबाई की जंयती पर मुख्य अतिथि के रूप में व्यक्त किये। श्री शाह ने कहा कि आहिल्याबाई होलकर का इतिहास त्याग, बलिदान और प्रेरणा का है। जिसको आगे आने वाली पीढ़ी अनवरत आत्मसात करती रहेगी।

उन्होंने भारतीय संस्कृति की रक्षा के लिए यादगार कार्य किये। उन्होंने कहा कि केन्द्र सरकार के केन्द्र में देश की गरीब जनता है। आज केंद्र में एक ऐसी सरकार है जिसका नेतृत्व संवेदनशील है। उन्होंने सवाल उठाते हुए कहा कि जिस कांग्रेस पार्टी का देश में लम्बे समय तक राज रहा उन्होंने गरीबों के साथ अन्याय किया। देश का गरीब उनको कभी माफ नहीं करेगा।

श्री शाह ने केन्द्र की मोदी सरकार द्वारा किये जा रहे जनहित के कार्यों का जिक्र करते हुए कहा कि जिस भरोसे और विश्वास के साथ जनता ने हमें केन्द्र की सत्ता सौंपी उस पर हम खरे उतरे है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र भाई मोदी के नेतृत्व में केन्द्र सरकार ने सुशासन की अच्छी नींव रखी है। उन्होंने कहा कि केन्द्र सरकार ने जनधन योजना के माध्यम से 14 करोड़ गरीबों के बैंक खाते खुलवाये हैं। गरीबों के उत्थान के लिए यह चमत्कारी योजना है जिससे गरीबों की आर्थिक स्थिति में सुधार होगा। इसके अलावा केन्द्र सरकार ने गरीबों के लिए विशेष बीमा योजनाएं शुरू की गयी है।

उन्होंने कहा कि मोदी सरकार ने भ्रष्टाचार को समाप्त करने, महंगाई कम करने एवं एक पारदर्शी सुशासन सहित जनता से किये गये अपने हर वायदे को पूरा किया है। मोदीजी की सरकार केवल गांव-गरीब को ध्यान में रखकर चलती है। जनधन योजना, पेंशन, सुरक्षा कवच, जीवन बीमा योजना सहित कई योजनाएं लागू करके जनहित में समाज के निचले तबके तक सरकारी योजनाओं का लाभ पहुँचे इसका प्रयास किया है।

श्री शाह ने कहा कि आज मुझे साफ-साफ दिखाई दे रहा है कि उत्तर प्रदेश में अगली सरकार भाजपा की ही होगी। **आज उत्तर प्रदेश का पीड़ित किसान उत्तर प्रदेश की अखिलेश सरकार के प्रति आक्रोशित है और वह इस कुशासन से शीघ्र मुक्ति चाहता है।** श्री अमित शाह ने कहा कि केंद्र सरकार ने उत्तर प्रदेश के किसानों के लिए बहुत धन दिया है, लेकिन उत्तर प्रदेश की अखिलेश सरकार अभी तक उस धन को पीड़ित किसानों को बांट तक नहीं पा रही है। उन्होंने कहा कि केंद्र की मोदी सरकार ने बेमौसम बारिश और ओला वृष्टि के कारण किसानों के हुए नुकसान के मुआवजे की राशि को बढ़ाकर डेढ़ गुणा कर दिया वहीं फसलों के नुकसान के सर्वे का पैमाना एवं पात्रता को 50 फीसदी से घटाकर 33 फीसदी कर दी है। उन्होंने जनसभा में लोगों से उत्तर प्रदेश की सरकार को उखाड़ फेंकने का आह्वान किया।

उन्होंने कहा कि केंद्र ने उत्तर प्रदेश सरकार को एक बार फिर से किसानों के नुकसान का सर्वे करने को कहा था, लेकिन अभी तक सर्वे की सूची ही नहीं बन पाई है। इससे स्पष्ट है कि उत्तर प्रदेश सरकार किसानों की विरोधी है।

भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष ने कहा कि प्रदेश में पिछड़ों की राजनीति करने वालों ने पिछड़ों के विकास के लिए कुछ नहीं किया। उ0प्र0 के विकास के लिए पिछड़े समाज को भारतीय जनता पार्टी के नेतृत्व में एकजुट होकर आगे आना होगा। उन्होंने आह्वान किया कि यदि देश का विकास करना है तो उत्तर प्रदेश का विकास करना होगा। जब तक उत्तर प्रदेश का पिछड़ा समाज आगे नहीं आता उत्तर प्रदेश का विकास संभव नहीं है।

उन्होंने कहा कि मुझे कहने में यह कोई संकोच नहीं कि पिछड़ों की बात करके राज्य के मुख्यमंत्री बनने वाले लोग पिछड़ों के लिए कुछ भी नहीं किया। इन्होंने अगर काम किया तो अपने परिवार के लिए किया। पिछड़े तो पिछड़े ही बने रहे। पिछड़ों को आगे लाने का काम न कांग्रेस, न सपा और न ही बसपा कर सकती है। इन्हें आगे लाने का काम सिर्फ भाजपा कर सकती है, क्योंकि वह परिवार के आधार पर नहीं चलती है।

उन्होंने कहा कि मुझे स्पष्ट दिखाई दे रहा है कि उत्तर प्रदेश में भाजपा की पूर्ण बहुमत की सरकार बनेगी। ■